मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, सोमवार, 3 मार्च 2025

संवत 2081, फाल्गुन शुक्ल 4 - मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 178 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ न्यायालयों में अनसुलझे मामलों की बढ़ती संख्या

श्रद्धा कपूर आज मना रहीं 38वां जन्मदिवस ◀◀ 6

झारखंड विधानसभा का बजट सत्र : वित्त मंत्री ने 1,45, 000 करोड़ रुपये का बजट किया पेश

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड विधानसभा में हेमंत सरकार ने पूर्ण बजट पेश कर दिया है। वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने वित्तीय वर्ष 2025-2026 का 1,45, 000 करोड़ रुपये का बजट पेश किया है। सरकार इस बार रेवेन्यू के लिए खनिज संपदा, पर्यटन से अतिरिक्त धन जुटाएगी। वित्त मत्री ने कहा कि झारखंड में पिछले कई वर्षों से स्थापना व्यय की तुलना में योजना व्यय में लगातार इजाफा हुआ है। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 में क्रमशः 27. 5 % और 27.3 प्रतिशत राजकोषीय घाटा रहने का अनुमान है। 61 हजार 56 करोड़ 12 लाख के राजस्व आय का अनुमान है।

वर्ष 2025-26 के बजट को अबुआ बजट नाम दिया गया है।

बजट में सामान्य क्षेत्र के लिए 37,884 करोड़ 36 लाख, सामाजिक क्षेत्र के लिए 62,840 करोड़ 45 लाख और आर्थिक क्षेत्र के लिए 44, 675 करोड़ 19 लाख का उपबंध । वित्त मंत्री ने कहा कि बेहतर ऋण प्रबंधन पर सरकार का जोर है। सिंकिंग फंड में निवेश किया जा रहा है। अब तक 2283 करोड़ का निवेश हुआ है। इससे ऋण भुगतान किया जाता है।

बजट में खास

- ऊर्जा विभाग के लिए 9894 करोड़ 35 लाख 53 हजार का बजट उपबंध
- उद्योग विभाग की योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए 450 करोड़ का उपबंध। उद्योगों के विकास और विस्तार खासकर मध्यम, लघु और सूक्ष्म उद्योगों को प्रधानता देते हुए उद्योग विभाग के लिए 486 करोड़ 31 लाख 61 हजार का उपबंध।
- मुख्यमंत्री उज्जवल झारखंड योजना के तहत 500 करोड़ के बजट का प्रस्ताव
- 200 यूनिट प्रतिमाह मुफ्त बिजली के लिए 5005 करोड़ 9 लाख रुपए का प्रस्ताव
- ग्रामीण कार्य विभाग के लिए 4576 करोड़ 30 लाख 73000 का बजट प्रस्ताव।
- पथ निर्माण विभाग के लिए 5900 करोड़ 89 लाख 28 हजार रुपए का बजट
- वन विभाग के लिए 1381 करोड़ 99 लाख 30 हजार रुपए का बजट
- श्रम, नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के लिए 1085 करोड़ 74 लाख 46 हजार के बजट का प्रस्ताव। अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के लिए 3384 करोड़ 45 लाख 97 हजार रुपए का बजट।
- धोती साड़ी लूंगी वितरण योजना के तहत 600 करोड़ रुपए का बजटीय उपबंध। खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग के लिए 2663 करोड़ 49 लाख 22 हजार रुपए के बजट का प्रस्ताव।
- दाल और नमक वितरण के लिए 720 करोड़ का बजटीय उपबंध
- स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए 7470 करोड़ 50 लाख 86 हजार रुपए के बजट का प्रावधान। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के लिए 4710 करोड़ 2 लाख 56 हजार रुपए के बजट का प्रावधान।
- प्रारंभिक एवं माध्यमिक शिक्षा के लिए 15198 करोड़ 35 लाख 30 हजार रुपए, जबकि उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के लिए 2409 करोड़ 20 लाख 96 हजार रुपए का प्रावधान
- महिलाओं, बच्चों और सामाजिक सुरक्षा के लिए वर्ष 2025-26 में 22 हजार 23 करोड़ 33 लाख 85 हजार रुपए का बजट
- मुख्यमंत्री सर्वजन पेंशन योजना के लिए 3,850 .66 करोड़ का बजटीय उपबंध। इससे करीब 34 लाख लाभार्थी अच्छादित होंगे। 2500 आंगनबाड़ी केंद्र भवनों के निर्माण का लक्ष्य।
- पंचायती राज व्यवस्था के लिए 2144 करोड़ 78 लाख 14 हजार रुपए के बजट का प्रस्ताव
- वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा के तहत 12 करोड़ मानव दिवस रोजगार सृजित करने का लक्ष्य।
- 118 गोदाम के निर्माण का कार्य प्रस्तावित है जिस पर 259 करोड़ 52 लाख का बजटीय उपबंध। कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र के लिए 4587 करोड़ 66 लाख 24 हजार रुपए का बजट प्रस्तावित।

बजट में क्या है खास

- साल 2029 तक राज्य की अर्थव्यवस्था 10 ट्रिलियन बनाने का लक्ष्य
- कुल 5 नये लॉ यूनिवर्सिटी बनाने का लक्ष्य
- ट्राईबल यूनिवर्सिटी खोले जाने का प्रस्ताव
- झारखंड अनुसूचित जाति परिमार्शदातृ आयोग का गठन करने का निर्णय
- 2500 किलो मीटर पथ और 200 पुल निर्माण का लक्ष्य
- पतरातू घाटी समेत कई जगहों पर हेलीकॉप्टर सटल योजना का प्रावधान किया जा रहा है
- 5 करोड़ 9 लाख रुपये बिजली लोन माफी के लिए रखा गया है
- नेतरहाट समेत की पर्यटन स्थलों पर ग्लास ब्रिज का निर्माण होगा
- बाल बजट तैयार करने की योजना है। इसके लिए 9 हजार 400 करोड़ की राशि उपबंधित की गयी है।

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

दृष्टिबाधितों को न्यायिक सेवाओं में शामिल होने के अवसर से नहीं कर सकते वंचित

एजेंसी

नई दिल्ली : सोमवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दृष्टिबाधित व्यक्तियों को न्यायिक सेवाओं में रोजगार के अवसर से वंचित नहीं किया जा सकता। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और आर महादेवन की पीठ ने पिछले साल 3 दिसंबर को कुछ राज्यों में न्यायिक सेवाओं में ऐसे उम्मीदवारों को कोटा न दिए जाने के मामले में स्वप्रेरणा से दायर एक मामले समेत छह याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

'दिव्यांग किसी भी तरह के भेदभाव न करें सामना'

इस पर फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति महादेवन ने कहा कि न्यायिक सेवा भर्ती में दिव्यांग व्यक्तियों को किसी भी तरह के भेदभाव का सामना नहीं करना चाहिए और राज्य को समावेशी ढांचा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें सकारात्मक कार्रवाई करनी चाहिए। न्यायाधीश ने कहा, 'कोई भी अप्रत्यक्ष भेदभाव जिसके परिणामस्वरूप दिव्यांग व्यक्तियों को बाहर रखा जाता है, चाहे वह कटऑफ के माध्यम से हो या प्रक्रियात्मक बाधाओं के कारण, मौलिक समानता को बनाए रखने के लिए उसमें हस्तक्षेप किया जाना चाहिए।'

सुप्रीम कोर्ट के निर्णय में क्या कहा गया : सुप्रीम कोर्ट के निर्णय में कहा गया है कि चयन प्रक्रिया में भाग लेने वाले पीडब्ल्यूडी (दिव्यांग व्यक्ति) उम्मीदवार, निर्णय के आलोक में न्यायिक सेवा चयन के लिए विचार किए जाने के हकदार हैं और यदि वे अन्यथा पात्र हैं तो उन्हें रिक्त पदों पर नियुक्त किया जा सकता है। पिछले साल 7 नवंबर को, पीठ ने देश भर में न्यायिक सेवाओं में बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्तियों (पीडब्ल्यूबीडी) के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए कई निर्देश जारी किए थे।

'विकलांगता के कारण नहीं किया जा सकता वंचित'

शीर्ष अदालत के फैसले में कहा गया कि किसी भी उम्मीदवार को केवल उसकी विकलांगता के कारण विचार से वंचित नहीं किया जा सकता। शीर्ष अदालत ने मध्य प्रदेश सेवा परीक्षा (भर्ती और सेवा शर्तें) नियम 1994 के कुछ नियमों को भी इस सीमा तक रद्द कर दिया है कि वे दृष्टिबाधित और कम दृष्टि वाले उम्मीदवारों को न्यायिक सेवा में प्रवेश करने से रोकते हैं। ये दलीलें मध्य प्रदेश नियमों के नियम 6ए और 7 की वैधता से संबंधित थीं।

महाकुंभ से योगी सरकार को तगड़ी कमाई : 60 लाख लोगों को मिला रोजगार

नई दिल्ली : प्रयागराज में संपन्न हुए महाकुंभ 2025 ने न केवल आस्था और अध्यात्म का सबसे बड़ा संगम प्रस्तुत किया, बल्कि उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी जबरदस्त लाभ पहुंचाया। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस ऐतिहासिक आयोजन में करीब 65 करोड़ श्रद्धालुओं ने भाग लिया, जिससे पर्यटन, होटल, परिवहन और अन्य क्षेत्रों में भारी वृद्धि दर्ज की गई। राज्य सरकार ने महाकुंभ के आयोजन पर लगभग 7,500 करोड़ रुपये खर्च किए, लेकिन इसके बदले में प्रदेश को 3.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का आर्थिक लाभ हुआ।

60 लाख से अधिक लोगों को मिला रोजगार: उत्तर प्रदेश सरकार के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने इस आयोजन को केवल धार्मिक नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ के कारण 60 लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला। होटल, ट्रांसपोर्ट, पर्यटन, दुकानदारों, गाइड्स और अन्य सेवाओं से जुड़े लोगों की आय में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई।

सनातन संस्कृति पर उठते सवालों पर मंत्री का पलटवार: मंत्री अनिल राजभर ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ राजनीतिक दलों को सनातन संस्कृति का वैभव स्वीकार नहीं है। उन्होंने कहा, सनातन भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक ताकत है, जिसे अब पूरी दुनिया स्वीकार कर रही है। लेकिन कुछ लोग महाकुंभ जैसे आयोजनों से दूरी बनाए रखते हैं और जब जाते भी हैं तो अंधेरे में डुबकी लगाते हैं। ऐसे लोगों से क्या उम्मीद की जाए ?

दिल्ली बजट के लिए आम जनता से ली जायेगी राय

सीएम ने जारी किया ईमेल और व्हाट्सऐप नंबर

एजेंसी

नई दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि आने वाला दिल्ली का बजट जनता का बजट होगा, जिसमें जनता की आकांक्षाओं की पूर्ति के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए समाज के सभी वर्गों के सुझावों को शामिल करेगी। रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली बजट पर कोई भी व्यक्ति अपना सुझाव दे सकता है। इसके लिए एक ईमेल और एक व्हाट्सऐप नंबर जारी किया है। इसमें दिल्ली का कोई व्यक्ति सुझाव दे सकता है।

उन्होंने कहा कि पांच मार्च को महिला संगठनों को आमंत्रित किया है, ताकि वह अपना सुझाव दे सके। इसी दिन शिक्षा जगत से जुड़े लोगों को भी सुझाव के लिए आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा छह मार्च को व्यापारिक संगठन के लोगों से सुझाव आमंत्रित किये गये हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली का बजट 24 मार्च से 26 मार्च के बीच पेश करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी वर्गों के सुझावों से शामिल करके विकसित दिल्ली का बजट पेश करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी क्षेत्र के लोगों के साथ बजट संवाद करेंगे और उनसे सुझाव लेंगे। उसी आधार पर विकसित दिल्ली का बजट तैयार करेंगे। उन्होंने कहा कि संकल्प पत्र में जितने भी वादे किए हैं उन सभी को पूरा किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सभी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गया है कि बजट के लिए सभी वर्ग से सुझाव लिया जाए और उन सुझाव को बजट में रखा जाए। मुख्यमंत्री ने बताया कि सभी विधायक और मंत्री आगामी बजट पर विचार जानने के लिए जनता के बीच जाएंगे। हम अपने घोषणापत्र में किए गए सभी वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

'पंजाब में एक और एनकाउंटर चली ताबड़तोड़ गोलियां

एजेंसी

नई दिल्ली : पंजाब के जिला अमृतसर से बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल,यहां देर रात एक और एनकाउंटर होने का मामला सामने आया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक परमिंदर साहिल नामक गैंगस्टर शहर में घूम रहा है और उसके पास हथियार भी है। जब पुलिस ट्रिलियम मॉल के पास पहुंचकर उसका पीछा किया तो उसने पुलिस पर फायरिंग करनी शुरू कर दी। इस दौरान पुलिस ने भी तुरंत कार्रवाई करते हुए फायर किए तो एक गोली गैंगस्टर के पैर पर लगी, जिस कारण उसे काबू कर लिया गया। इस दौरान पुलिस के सीनियर अधिकारी ने बताया कि सूचना के आधार पर गैंगस्टर साहिल (22) को काबू किया गया है। उन्होंने बताया कि गैंगस्टर के पास एक मोटरसाइकिल और एक पिस्तौल बरामद हुई है और पहले भी आरोपी पर 4 केस दर्ज थे। पुलिस ने बताया कि साहिल पहले से ही अलग-अलग केसों में वांटेड था।

यूक्रेन अब भी अमेरिका के साथ खनिज समझौता करने को तैयार : जेलेंस्की

लंदन : यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमीर जेलेंस्की ने कहा कि वह अभी भी अमेरिका के साथ खनिज समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार हैं। लंदन में पश्चिमी नेताओं के साथ एक शिखर सम्मेलन के बाद जेलेंस्की ने बीबीसी को बताया कि पिछले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ बैठक में एक तीखी बहस के बावजूद, वह अभी भी अमेरिका के साथ रचनात्मक बातचीत करने के इच्छुक हैं। जेलेंस्की का बयान तब आया जब शुक्रवार को ट्रम्प के साथ उनकी बैठक तीखी नोकझोंक में बदल गई, जिसके कारण एक प्रत्याशित द्विपक्षीय कच्चे माल समझौते को रद्द करना पड़ा। जैसा कि अमरीकी मीडिया ने बताया है, मसौदा सौदे में यूक्रेन और अमेरिका के संयुक्त स्वामित्व वाले एक फंड की स्थापना शामिल है, जिसमें यूक्रेन महत्वपूर्ण खनिजों, तेल और गैस सहित प्राकृतिक संसाधनों के भविष्य के मुद्रीकरण से अपने राजस्व का 50 प्रतिशत योगदान देगा।

विश्व वन्यजीव दिवस : प्रधानमंत्री मोदी ने गिर में जंगल सफारी का लिया आनंद

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात में हैं। उन्होंने सोमवार सुबह विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर जूनागढ़ जिले में गिर वन्यजीव अभयारण्य में जंगल सफारी का आनंद लिया। सोमनाथ से आने के बाद पीएम मोदी ने सासण में वन अतिथि गृह सिंह सदन में रात्रि विश्राम किया। रविवार शाम को उन्होंने सोमनाथ मंदिर में भगवान शिव की पूजा अर्चना की थी। यह 12 ज्योतिर्लिंगों में से सबसे पहला ज्योतिर्लिंग है।

सिंह सदन से प्रधानमंत्री जंगल सफारी पर गए, उनके साथ कुछ मंत्री और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी थे। गिर वन्यजीव अभयारण्य के मुख्यालय सासण गिर में प्रधानमंत्री, राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (एनबीडब्ल्यूएल) की सातवीं बैठक की अध्यक्षता भी करेंगे।

एनबीडब्ल्यूएल में 47 सदस्य हैं, जिनमें सेना प्रमुख, विभिन्न राज्यों के सदस्य, इस क्षेत्र में काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि, मुख्य वन्यजीव वार्डन और विभिन्न राज्यों के सचिव शामिल हैं। बैठक के बाद पीएम मोदी सासण में कुछ महिला वन कर्मचारियों से भी बातचीत करेंगे।

जानकारी के मुताबिक, केंद्र सरकार ने एशियाई शेरों के संरक्षण के लिए प्रोजेक्ट लॉयन के तहत 2,900 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मंजूर की है। इन शेरों का एकमात्र निवास स्थान गुजरात है। अभी एशियाई शेर गुजरात के नौ जिलों के 53 तालुकाओं में लगभग 30,000 वर्ग किलोमीटर में निवास करते हैं।

इसके अलावा एक राष्ट्रीय परियोजना के तहत जूनागढ़ जिले के न्यू पिपल्या में 20 l24 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर वन्यजीवों के चिकित्सीय निदान एवं रोग से बचाव के लिए एक ह्यराष्ट्रीय रेफरल केंद्रह्ल स्थापित किया जा रहा है। संरक्षण प्रयासों को मजबूत करने के वास्ते सासण में वन्यजीव निगरानी के लिए उच्च तकनीक से युक्त निगरानी केंद्र और एक अत्याधुनिक अस्पताल भी स्थापित किया गया है।

इससे पहले पीएम मोदी ने रविवार को रिलायंस जामनगर रिफाइनरी परिसर में स्थित पशु बचाव, संरक्षण और पुनर्वास केंद्र वनतारा का भी दौरा किया। यह बचाव केंद्र बंदी हाथियों और वन्यजीवों के कल्याण के लिए समर्पित है, जो दुर्व्यवहार और शोषण से बचाए गए जानवरों को शरण, पुनर्वास और चिकित्सा देखभाल प्रदान करता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस धरती की जैव विविधता और वन्यजीवन को बचाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि 'आज विश्व वन्यजीव दिवस के मौके पर हम इस धरती की अतुल्य जैव विविधता के संरक्षण के अपने समर्पण को दोहराएं।' प्रधानमंत्री ने कहा कि 'हर प्रजाति की इसमें अहम भूमिका है। इन प्रजातियों के भविष्य की रक्षा करें। हमें वन्यजीवन को बचाने में भारत के योगदान पर भी गर्व होना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

शराब पीने की आदत से परेशान पत्नी ने की पति की हत्या, गिरफ्तार

गुमला : जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है जहां पत्नी ने गुस्से में आकर अपनी पति की लाठी से पीटकर हत्या कर दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है।

पत्नी ने लाठी से पीटकर की पति की हत्याः मामला जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के बसाईर टोली गांव का है। बताया जा रहा है कि 35 वर्षीय अजीत रौतिया अपने घर में शराब पी रहा था। इस दौरान उसकी पत्नी सविता देवी घर पहुंची और उसने अपने पति को शराब पीते देखा तो गुस्से में आ गयी। उसने पति को शराब पीने से मना किया, लेकिन दोनों के बीच बहस होने लगी। इसी दौरान सविता ने वहां पड़ी लाठी उठाई और अजीत पर कई बार वार किया जिससे अजीत की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल की गई लाठी भी जब्त कर ली। वहीं, दंपति के 3 बच्चे हैं। सोचने वाली बात है कि पिता की मौत और मां की गिरफ्तारी के बाद इन बच्चों के पालन-पोषण कैसे होगा।

छात्रा की सड़क दुघर्टना में मौत

मुरीः सिल्ली लुपुंग की रहनेवाली आठवीं कक्षा की छात्रा रिमझिम रजवार उम्र 14 करीब की रविवार को मौत हो गई। रिमझिम रजवार अपने मामा घर हजारीबाग से बाइक से लौट रही थी । चितरपुर के पास पीछे से टेम्पो के जोरदार टक्कर से बुरी तरह से घायल हो गई। वहीं बाइक चला रहे मामा भी धायल है। प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार एक टैक्टर पीछे से टेम्पो को धक्का मारा, टेम्पो पीछे से मोटरसाइकिल सवार से टकरा गया।घायलो को नजदीक के अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद रिम्स रेफर कर दिया है। जहां डाक्टरों ने रिमझिम की मौत की पुष्टि कर दी। चूंकि सिल्ली की रहनेवाली थी लुपुंग टोला में मातम है। रिमझिम रजवार सिल्ली ग्राम विकास सिल्ली स्कूल की छात्रा थी। स्कूल के प्रिंसिपल सुधांशु रंजन प्रमाणिक ने घटना पर काफी अफसोस जताया और दुःख व्यक्त किया।

सर्जरी ओटी की कॉटरी मशीन खराब, 10 दिन से टल रहे बड़े ऑपरेशन

धनबादः शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएमसीएच) के सर्जरी विभाग के ऑपरेशन थियेटर (ओटी) की कॉटरी मशीन लगभग 10 दिनों से खराब है। सर्जरी के दौरान रक्तस्त्राव को रोकने के लिए इस मशीन का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में सर्जरी विभाग में बड़े ऑपरेशन को टाल दिया गया है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार वर्तमान में पांच से ज्यादा मरीजों का ऑपरेशन होल्ड पर रखा गया है। विभिन्न बीमारियों से ग्रसित इन मरीजों का ऑपरेशन पिछले सप्ताह से अबतक हो जाना था। मशीन के खराब होने के कारण अति आवश्यक ऑपरेशन ही किये जा रहे हैं। अन्य मरीजों का ऑपरेशन मशीन की व्यवस्था होने पर किये जायेंगे। सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ डीके गिंडोरिया ने मशीन की मरम्मत कराने के लिए अधीक्षक को पत्र लिखा है।

गायनी ओटी की मशीन से हुआ दो मरीजों का ऑपरेशन :वर्तमान में सर्जरी विभाग में दो गंभीर मरीजों की स्थिति को देखते हुए तीन दिन पूर्व गायनी विभाग के ओटी की कॉटरी मशीन से सर्जरी की गयी। सर्जरी के बाद कॉटरी मशीन वापस गायनी ओटी भेज दी गयी।

क्या है कॉटरी मशीन :

कॉटरी मशीन एक चिकित्सा उपकरण है, जिसका इस्तेमाल ऊतकों को जलाने या काटने के लिए किया जाता है। ऑपरेशन के दौरान रक्तस्राव को रोकने के लिए इस मशीन का इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा इस मशीन का उपयोग वार्ट्स और मोल्स को हटाने के साथ त्वचा की समस्याओं, जैसे कि धब्बे और तिल को हटाने के लिए किया जाता है। ऑपरेशन के दौरान यह मशीन लेजर प्रकाश व रेडियो फ्रीक्वेंसी ऊर्जा का उपयोग कर उत्तकों को जलाती है।

बीमारी से तंग आकर युवक ने कुएं में कूदकर दी जान

जमशेदपुरः परसुडीह थाना क्षेत्र के सोपोडेरा निवासी निखिल मुंडा (21) ने कुआं में कूदकर आत्महत्या कर ली। निखिल मुंडा के शव को पुलिस ने अपने कब्जे में कर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज भेज दिया। घटना रविवार सुबह की है। घटना के संबंध में निखिल मुंडा के परिजन ने बताया कि निखिल मुंडा पिछले करीब चार-पांच साल से बीमारी से परेशान था। हाई शुगर होने के कारण वह काफी कमजोर हो गया था। वह चल फिर भी नहीं सकता था। शनिवार की दोपहर को उसके पिता ने उसका बदन दबाया। उसके बाद वह किसी काम से बाहर चले गये। इसी दौरान वह कमरे से निकला और घर के कुआं में छलांग लगा दी, लेकिन इसके बारे में परिवार के लोगों को कोई जानकारी नहीं मिली। निखिल को कमरे में नहीं देख घरवालों ने उसकी खोजबीन शुरू की। किसी के कहने पर उन लोगों ने कुआं में देखा तो उसमें निखिल का शव मिला। उसके बाद बस्ती के लोगों की मदद से शव को बाहर निकाला गया। फिर घटना की जानकारी परसुडीह पुलिस को दी। मौके पर पहुंच पुलिस ने मामले की छानबीन कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

गढ़वा में डायन बता कर बुजुर्ग की हत्या, अपने ही रिश्तेदार ने किया मर्डर

गढ़वाः जिले के धुरकी थाना क्षेत्र के शारदा गांव में डायन बिसाही को लेकर हुए विवाद में टांगी से काट कर एक वृद्ध की हत्या कर दी गई है. वारदात रविवार दोपहर करीब 3:30 बजे हुई.

पुतूर गांव के रहने वाले 70 वर्षीय बुजुर्ग की अपने भतीजे राजेश्वर बैठा और संजय बैठा के बीच पिछले कुछ माह से डायन बिसाही को लेकर विवाद चल रहा था, इसी दौरान राजेश्वर बैठा के भाई पतरातू में पदस्थापित होमगार्ड जवान मनोज बैठा की मौत हो गई. जिसके बाद से विवाद और गहरा गया. राजेश्वर बैठा अपने भाई की मौत का आरोप राम धनी बैठा पर लगा रहा था. रविवार को राजेश्वर बैठा छुट्टी पर घर आया. रविवार सुबह उसने बुजुर्ग के घर पर हमला कर दिया. उसके खपड़ैल मकान को लाठी डंडे से मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया. इसके बाद जब करीब 3:30 बजे बुजुर्ग अपने घर पहुंचा वैसे ही राजेश्वर बैठा ने उस पर टांगी से हमला कर दिया. इस वार से बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई. हत्या की सूचना पर पहुचे धुरकी थाना प्रभारी उपेन्द्र कुमार मौके पर पहुंचे और शव को लेकर सभी प्रक्रिया पूर्ण कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गढ़वा भेज दिया. इस संबंध में थाना प्रभारी ने बताया कि प्रथम दृश्या मामला डायन बिसाही का लग रहा है. हत्या हुई है जिसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है.

तेलंगाना हादसा : 85 श्रमिकों ने काम करने से किया मना, बोले

कंपनी हमें जबरन सुरंग में भेज रही

9 दिन बाद भी बाहर नहीं निकल पाए झारखंड के मजदूर

मेट्रो रेज संवाददाता

नई दिल्ली/रांचीः तेलंगाना के नगरकुरनूल में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) के निमार्णाधीन खंड का कुछ हिस्सा ढहने से सुरंग में फंसे 8 मजदूरों को 9 दिन बीत जाने के बाद भी बाहर नहीं निकाला गया है। आज रेस्क्यू का 10वां दिन है। फंसे मजदूरों में 4 झारखंड के मजदूर शामिल हैं। चारों गुमला के रहने वाले हैं। इनमें केवल 1 ही मजदूर शादीशुदा है।

किसी भी मजदूर के जीवित मिलने की संभावना बहुत कमः अंदर फंसे मजदूरों से कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है। न ही आवाज लगाने पर मजदूरों की तरफ से जवाब आ रहा है। ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर) की मदद से मलबे में दबे मजदूरों को ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, किसी भी मजदूर के जीवित मिलने की संभावना बहुत कम है। मलबा साफ करने और टनल के पानी को बाहर निकालने का काम चल रहा है। रेस्क्यू ऑपरेशन में आर्मी,एनडीआरएफ,एसडीआरएफ के अलावा राज्य सरकार की अन्य एजेंसियों के 600 के करीब कर्मी जुटे हैं। उत्तराखंड के सिल्क्यारा टनल में फंसे लोगों को निकालने वाली टीम को भी इसमें शामिल किया गया है। दरअसल, पानी और मलबा इस अभियान में कई बड़ी रुकावट पैदा कर रहा है। सुरंग के अंदर मलबा और भारी उपकरण जमा होने के कारण, टनल रेस्क्यू ऑपरेशन अन्य सुरंगों की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण है। इस अभियान में अब 11 राष्ट्रीय और राज्य एजेंसियां लगी हुई हैं। इनमें सेना, नौसेना, मार्कोस कमांडो, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल, एमओआरपीएच , सिंगरेनी, हाईड्रा , भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, नवयुग और एलएंडटी सुरंग विशेषज्ञ और राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई) शामिल हैं। सिल्क्यारा टनल में फंसे लोगों को निकालने में मदद करने वाली रैट माइनर्स की टीम भी बचाव दल में शामिल है।

85 मजदूरों ने की घर वापसी

वहीं, तेलंगाना के नगरकुरनूल से 85 मजदूर गुमला लौट आये हैं। नहर का काम छोड़कर गुमला लौटे मजदूरों का कंपनी ने तीन माह की मजदूरी रोक दी है। 85 मजदूरों का कंपनी के पास करीब 50 लाख रुपये मजदूरी बकाया है। मजदूर मधु साहू ने बताया कि अब तेलंगाना में गुमला के मात्र आठ मजदूर फंसे हुए हैं जिसमें चार मजदूर आठ दिन से सुरंग में फंसे हैं जबकि चार मजदूर रसोईघर में कुक का काम कर रहे हैं।

तेलंगाना में रहने वाले सभी मजदूर गुमला लौटेः मजदूरों ने बताया कि नहर बना रही कंपनी के मैनेजर सुरंग में फंसे मजदूरों को खोजने के लिए हमें भी सुरंग में भेजने के लिए दबाव बना रहे थे। साथ ही जब से टनल हादसा हुआ है तब से हम लोगों के खाने पीने में परेशानी होने लगी। इस कारण गुमला के जितने भी मजदूर तेलंगाना में थे। वे सभी लौट आये हैं। शनिवार को 60 व रविवार को 25 मजदूर गुमला लौटे।

झारखंड पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

18 लाख का इनामी नक्सली गिरफ्तार 75 से अधिक मामलों में है वांटेड

मेट्रो रेज संवाददाता

चतराः जिले में एक प्रतिबंधित माओवादी संगठन के स्वयंभू क्षेत्रीय कमांडर को गिरफ्तार किया गया है जिस पर 18 लाख रुपये का इनाम था। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। हथियारों का जखीरा भी बरामदः पुलिस ने बताया कि तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति समिति (टीएसपीसी) से जुड़े माओवादी आक्रमण गंझू के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। पुलिस अधीक्षक विकास पांडेय ने पत्रकारों से कहा, शनिवार को हंटरगंज क्षेत्र में पुट्सगिया पुल के पास वाहन जांच अभियान के दौरान उसे और उसके तीन साथियों को गिरफ्तार किया गया।75 से अधिक मामलों में है वांटेडः पांडेय ने बताया कि झारखंड सरकार ने माओवादी के बारे में सूचना देने पर 15 लाख रुपये और राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने तीन लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। उन्होंने कहा कि वह माओवादी गतिविधियों से संबंधित 75 से अधिक मामलों में वांछित था। अधिकारी ने कहा, अमेरिका निर्मित राइफल समेत हथियार और कारतूस भी बरामद किए गए।" मामले की जांच की जा रही है।

दलमा के जंगल में एक बार फिर दिखा बाघ, वन विभाग खुश , लोगों में दहशत

मेट्रो रेज संवाददाता

सरायकेला : जिले के दलमा के जंगल में एक बार फिर बाघ के देखे जाने के बाद पूरे इलाके में दहशत है। आपको बता दें कि इस बार बाघ ट्रैकिंग कैमरा में दिन में कैद हुआ है। हालांकि वन विभाग का मानना है कि दलमा के लिए काफी अच्छी खबर है, लेकिन दलमा के तराई क्षेत्र में रहने वाले लोग दहशत में है।

वन विभाग ने लोगों से सतर्क करने की अपील की है। मगर यह बाघ पलामू से आया है। वन विभाग के अधिकारी का मानना है कि 21 दिसंबर को पहली बार यह बाघ दलमा में प्रवेश किया उसके बाद यह बाघ पश्चिम बंगाल गया और बंगाल से दलमा तक लगातार घूम रहा है, लेकिन इस बार यह बाघ दिन के उजाले में ट्रैकिंग कैमरा में कैद हुआ है जो काफी तंदुरुस्त है। वन विभाग का यह भी मानना है कि जहां पर इसको भोजन मिलेगा उस इलाके में ही यह अपना डेरा डालेगा। वही वन विभाग काफी खुश है कि अब दलमा में बाघों की संख्या बढ़ेगी।

दो सड़क हादसे में 16 माह की बच्ची और युवक की मौत

मांडरः मांडर थाना क्षेत्र में रविवार को दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में एक 16 माह की बच्ची और एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। पहली घटना मुड़म बस्ती में हुई, जहां सड़क किनारे खेल रही 16 माह की अर्शी कुजूर को एक अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। अर्शी, जो विनोद कुजूर की बेटी थी, दोपहर करीब 1 बजे घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद स्थानीय लोग सदमे में हैं और पुलिस अज्ञात वाहन चालक की तलाश कर रही है।

दूसरी घटना रात करीब 8 बजे एनएच-39 पर धोबी चड़हान के पास हुई। एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सवार असंतुलित होकर गिर गया, जिससे मांडर थाना क्षेत्र के काटचाचो गांव निवासी 28 वर्षीय मशी उरांव गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें इलाज के लिए रेफरल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।सूचना मिलते ही मांडर थाना पुलिस मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर रही है।

विहंगम योग संत समाज कने किया ध्वाजारोहण

मेट्रो रेज संवाददाता

मुरी : सिल्ली में विहंगम योग संत समाज के साय निवास पर ध्वजारोहण किया गया। संत सदाफल देव के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि तथा द्वीप प्रज्गजवलित किया गया। उसके बाद रांची जिला के सह संयोजक प्रमोद चौधरी, प्रभारी संजीव श्रीवास्तव ने कहा कि विहंगम योग के माध्यम से काम,क्रोध,मोह,लालच पर विजयी पाया जा सकता है। सद्गुरु भाई बहनों ने ध्यान,भजन,योग, प्रार्थना, आरती , वंदना और शांति पाठ की गई।संत सदाफल के उपदेश के बारे में जानकारी दी गई कि आत्मा अमर है,शरीर नाशवान है, सत्संग में शिवानी साय,परमानंद साय, प्रमोद साहू, उमाशंकर साहू आत्मा राम महतो, उपेन्द्र महतो, उमाशंकर कलाकार,मुनमुन मलाकार, पूर्णिमा सिंह देव, कृष्णा रवि दास, अविनाश साहू ,विजय भद्र,रुबी देव, माथुर महतो व अन्य उपस्थित थे।

ब्लास्टिंग कर अवैध मुहानों को बंद करने का कार्य शुरू

रामगढ़ : अवैध खनन पर रोक को लेकर उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार द्वारा जिले के अलग-अलग क्षेत्र में अवैध मुहानों को चिन्हित कर उन्हें बंद करने का निर्देश दिया गया है. विगत दिनों में उपायुक्त, रामगढ़ चंदन कुमार, पुलिस अधीक्षक अजय कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी अनुराग कुमार तिवारी, खनन पदाधिकारी निशांत अभिषेक सहित अन्य अधिकारियों द्वारा मांडू प्रखंड अंतर्गत बसंतपुर क्षेत्र में विभिन्न अवैध मुहानों को चिन्हित किया गया था. इसी क्रम में शनिवार से चिन्हित अवैध मुहानों को बंद करने का कार्य प्रारंभ किया गया. इस दौरान विभिन्न मुहानों पर ब्लास्टिंग कर अवैध मुहानों को बंद किया गया.

लिंडसे क्लब में आयोजित लघु पत्रिका मेला सह सम्मेलन का समापन

मेट्रो रेज संवाददाता

धनबादः लिंडसे क्लब में शिल्पे अनन्या त्रैमासिक बंगला पत्रिका द्वारा आयोजित तीन दिवसीय चतुर्थ लघु पत्रिका मेला सह सम्मेलन का समापन रविवार को हो गया। आज कार्यक्रम की शुरूआत केंदुआ डेफोडिल स्कूल के बच्चों व शिक्षकों ने महिषासुर मर्दनी पर मोहक नृत्य झ नाटिका प्रस्तुत कर की। समापन सत्र में मुख्य विषय भाषाओं का विकास आपसी सहयोग एवं समन्वय से

देश को जोड़ने में अहम भूमिका निभाती है भाषा

संभव है पर परिचर्चा की गयी। संचालन करते हुए डॉ काशीनाथ चटर्जी ने कहा कि वर्तमान में समाज को तोड़ने के लिए विभिन्न हथियारों का इस्तेमाल किया जा रहा है, ऐसे में उक्त विषय पर संवाद करना जरूरी है। हमें बार-बार संवाद करना होगा। वहीं हिंदी लेखक रणेंद्र ने भारत में भाषाओं का इतिहास बताते हुए कहा कि भाषाएं अलग-अलग नहीं हैं, केवल उनके रूप बदलते हैं। भाषाओं में अंतः संबंध है, जो भारत को जोड़ने में अहम भूमिका अदा करते है। पश्चिम बंगाल के सुशील महतो ने कहा कि मातृ भाषा के लिए आंदोलन जरूरी है। उच्च शिक्षा में भी मातृ भाषा में पढ़ाई होनी चाहिए। खोरठा विभाग के प्रो दिनेश दिनमणि ने बताया झारखंड में 170 भाषाएं हैं। इनमें 16 बोलचाल में है और 9 मान्यता प्राप्त है । जिन्हें स्कूल में कक्षा आठवीं से पढ़ाया जाता है। लघु पत्रिका का भाषा विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। डॉ दयामय राय ने कहा कि क्षेत्रीय भाषाओं में साहित्य की चर्चा अनिवार्य है। मनमोहन पाठक, तपन सरकार, व्रतीन देवधरिया, नारायण चंद्र मंडल पत्रकार, प्रो तन्मय वीर, श्रींजय मंडल व प्रो एआइ खान ने भी अपने विचार रखे।

उत्कृष्ट कार्य के लिए किया गया सम्मानित

दूसरे सत्र में प्रो अर्चना सिन्हा स्मृति सम्मान के लिए समाज में उत्कृष्ट कार्य करनेवाले सात लोगों का चयन किया गया। इनमें डॉ सुनील सिन्हा को स्वास्थ्य के क्षेत्र में, प्रो। राहुल देव मंडल व प्रो। अनसूया को भरत नाट्यम, भोला नाथ राम को शिक्षा व सामाजिक कार्य, विकास कुमार ठाकुर को सामाजिक कार्य, तनुश्री गोराई को लेखिका, रीना भौमिक, प्रदीप अधिकारी लेखक को सम्मानित किया गया।

मंईयां सम्मान योजना : खत्म हुआ इंतजार!

जल्द लाभुकों के खाते में आएंगे 7500 रुपये

सरकार ने झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लिए वर्ष 2025-26 के बजट में 13363.35 करोड़ का प्रावधान किया है

संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार की मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों के लिए बड़ी खुशखबरी है। जानकारी के मुताबिक इसी महीने यानी मार्च में मंईयां सम्मान योजना की राशि जारी की जा सकती है।

8 मार्च जारी हो सकती है किस्तः सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, 8 मार्च 2025 यानी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के दिन ही मंईयां सम्मान योजना की अगली किस्त जारी की जा सकती है। 8 मार्च 2025 को महिलाओं के खाते में एकमुश्त 7500 रुपये की आर्थिक सहायता भेजी जा सकती है। हालांकि आधिकारिक तौर पर इस प्रकार की कोई जानकारी स्पष्ट नहीं है और न ही सरकार की तरफ से कोई घोषणा की गई है।

क्या है मंईयां सम्मान योजना?

बता दें कि, मंईयां सम्मान योजना की शुरूआत साल 2024 में की गई थी। योजना में शुरूआती तौर पर केवल 1000 रुपये की आर्थिक सहायता ही दी जाती थी, लेकिन झारखंड की तत्कालीन हेमंत सोरेन सरकार ने चुनावों से पहले वादा किया था कि प्रदेश की सत्ता में वापसी पर उनकी सरकार महिलाओं को 2500 रुपए हर महीने देगी। इस योजना के लिए पहले 21-50 साल की महिलाओं को योग्य बताया गया था, लेकिन बाद में हेमंत सोरेन सरकार ने 18-50 साल तक की महिलाओं के लिए यह योजना शुरू कर दी।

रांची विवि के 38वें दीक्षांत समारोह के लिए आज से बंटेगा अंगवस्त्र और गेट पास

- मोरहाबादी स्थित सेंट्रल लाइब्रेरी तथा पीजी कॉमर्स विभाग में अलग-अलग 10 काउंटर बनाये गये हैं।
- सात मार्च को होगा दीक्षांत समारोह

संवाददाता

रांचीः रांची विश्वविद्यालय द्वारा सात मार्च 2025 को आयोजित 38वें दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए विद्यार्थियों के बीच तीन मार्च से पांच मार्च 2025 तक अंग वस्त्र और गेट पास का वितरण किया जायेगा। इसके लिए मोरहाबादी स्थित सेंट्रल लाइब्रेरी तथा पीजी कॉमर्स विभाग में अलग-अलग 10 काउंटर बनाये गये हैं। समारोह में शामिल होने के लिए 28 फरवरी 2025 को आवेदन करनेवाले 109 विद्यार्थियों को शहीद चौक स्थित विवि मुख्यालय (हेडक्वार्टर) के परीक्षा विभाग से चार और पांच मार्च को दिन के 11 बजे से शाम चार बजे तक अंग वस्त्र व गेट पास दिया जायेगा। विद्यार्थियों को अपने साथ आवेदन शुल्क की प्राप्ति रसीद, प्रवेश पत्र, अंक पत्र की प्रति, डीएससी/डी लिट/पीएचडी वाले छात्र को रिजल्ट की प्रति लानी होगी। दीक्षांत समारोह में कुल 4410 विद्यार्थियों ने शामिल होने के लिए आवेदन जमा किया है। इनके बीच अंगवस्त्र और गेट पास का वितरण किया जाएगा। काउंटर की स्थितिः काउंटर संख्या एक से पांच पीजी कॉमर्स विभाग तथा काउंटर संख्या छह से 10 सेंट्रल लाइब्रेरी मोरहाबादी में बनाये गये हैं।

मार्च आते ही शुरू हुआ गर्मी का कहर, 39 डिग्री तक पहुंचा पारा

संवाददाता

रांचीः मार्च का महीना शुरू होते ही झारखंड में गर्मी का असर दिखाई देने लगा है। मौसम का रुख बदलते ही राज्य के विभिन्न हिस्सों में तापमान में तेजी से वृद्धि देखने को मिल रही है। सबसे अधिक गर्मी बहरागोड़ा (पूर्वी सिंहभूम) में पाई गई, जहां तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। एक बार फिर रात के तापमान में जबरदस्त गिरावट आने की संभावना दरअसल, मार्च के तीसरे सप्ताह में 35 डिग्री से अधिक तापमान होता था, लेकिन इस बार मार्च की शुरूआत में ही राज्य का अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया है। मौसम केंद्र रांची का पूवार्नुमान है कि अगले 5 दिनों के दौरान एक बार फिर रात के तापमान में जबरदस्त गिरावट आने की संभावना है। राज्य के अन्य जिलों में दिन का पारा चढ़ने से गर्मी से लोग बेहाल हो गए हैं। मौसम केंद्र रांची के अनुसार अगले दो दिन तक मौसम ऐसा ही रहेगा। 5 दिन के बाद दिन के तापमान में 3 डिग्री की गिरावट और रात के तापमान में चार डिग्री तक की गिरावट हो सकती। आज प्रदेश में बारिश का कोई संकेत नहींः मौसम विज्ञान केंद्र, रांची के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव अब लगभग समाप्त हो चुका है और आज इसका कोई असर देखने को नहीं मिलेगा। इसके कारण आज प्रदेश में बारिश का कोई संकेत नहीं है। मौसम में साफ आकाश रहेगा और तेज धूप के कारण तापमान में बढ़ोतरी हो सकती है। दोपहर के समय अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे दिन के समय गर्मी का अहसास और बढ़ जाएगा। हालांकि, शाम होते-होते ठंडी हवा चलने की संभावना है, जिससे कुछ राहत मिल सकती है।

वहीं, पिछले 24 घंटे में बहरागोड़ा का अधिकतम तापमान 38.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। राजधानी रांची समेत राज्य के अन्य जिलों में पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम शुष्क बना रहा, लेकिन कई इलाकों में तेज धूप के कारण गर्मी भी काफी महसूस हुई। सबसे अधिक गर्मी बहरागोड़ा (पूर्वी सिंहभूम) में पाई गई, जहां तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। हालांकि रांची में दिन का तापमान 31.5 डिग्री पर आ गया है और रात का पारा 21 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। यह सामान्य से 6 डिग्री सेल्सियस अधिक है। रात का पारा चढ़ने से रात में गर्मी लगने लगी है। अधिकतर घरों में पंखा, कूलर और एसी चला कर गर्मी से राहत पा रहे हैं।

झारखंड से यूपी के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

रांचीः ट्रेनों मे अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए और परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 03640/03639 पंडित दीनदयाल उपाध्याय-रांची परीक्षा स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जाएगा। ट्रेन संख्या 03640 पंडित दीनदयाल उपाध्याय-रांची परीक्षा स्पेशल ट्रेन तीन मार्च को पंडित दीनदयाल उपाध्याय से प्रस्थान करेगी। इन ट्रेनों में एसएलआर के 02 कोच एवं सामान्य श्रेणी के 20 कोच होंगे। होली और परीक्षाओं को लेकर ट्रेन में सफर करना मुश्किल हो रहा है। इसे देखते हुए रेलवे की ओर से परीक्षा स्पेशल ट्रेन चलायी जा रही है। इस ट्रेन के परिचालन से ट्रेन में सफर करना काफी आसान हो जाएगा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय से प्रस्थान शाम 4 बजेः पंडित दीनदयाल उपाध्याय-रांची परीक्षा स्पेशल ट्रेन का पंडित दीनदयाल उपाध्याय से प्रस्थान शाम 4:00 बजे, सासाराम से प्रस्थान शाम 5:20 बजे, गया से प्रस्थान शाम 7:45 बजे, कोडरमा से प्रस्थान रात 9:17 बजे, गोमो से प्रस्थान रात 11:15 बजे, बोकारो स्टील सिटी से प्रस्थान रात 01:17 बजे एवं रांची आगमन सुबह 04:00 बजे होगा।

जेएमएम ने बीजेपी पर साधा बड़ा निशाना, कहा-

भाड़े पर ही सही, लेकिन बीजेपी सदन में अपना नेता लेकर आये

संवाददाता

रांचीः झामुमो महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने भाजपा द्वारा अपने सदन का नेता अब तक नहीं चुने जाने को लेकर निशाना साधा। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि दुर्भाग्य की बात है कि अब तक भाजपा द्वारा सदन का नेता चुना नहीं गया है।

या तो भाजपा अपना नेता चुने या सामूहिक इस्तीफा देः

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि यह झारखंड के लिए दुर्भाग्य है कि भारतीय जनता पार्टी अब तक सदन का नेता नहीं चुन पाई है जिसका खामियाजा झारखंड की जनता को उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इसके कारण कई नियुक्तियां है उस पर असर पड़ रहा है। यही नहीं उन्होंने भाजपा पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि या तो भाजपा अपना नेता चुने या सामूहिक इस्तीफा दे दे। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होता है तो भाड़े पर ही लेकर कर आए , लेकिन सदन में अपना नेता लेकर आएं। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि इसके पीछे की सोच यही है कि लोकतंत्र को धीरे-धीरे समाप्त किया जाए। एक दलीय व्यवस्था हो। भारत का संविधान इसकी इजाजत नहीं देता है।

नेवरी विकास से खाटू श्याम मंदिर, हरमू रोड तक निकाली गयी पदयात्रा

संवाददाता

रांचीः श्री श्याम ध्वजा पदयात्रा समिति के तत्वावधान में नेवरी विकास से खाटू श्याम मंदिर, हरमू रोड तक भव्य पदयात्रा निकाली गयी। माता रानी की पूजा-अर्चना के बाद यात्रा की शुरूआत हुई। श्रद्धालु हाथों में ध्वजा लेकर जयकारा लगाते हुए आगे बढ़े, जबकि फूलों से सजे रथ में भगवान श्री श्याम विराजमान थे। भक्त पारंपरिक वेशभूषा में

भजन गाते और ध्वजा लहराते हुए चले। ढाक की धुन पर श्रद्धालु नृत्य कर रहे थे। भजन गायकों ने डोरी खींच के राखीजो यह तो है बाबा को निशान, श्याम धनी को आयो रे बुलावो,जैसे भजनों का सुमधुर गायन किया। श्याम मंदिर पहुंचने पर भक्तों का स्वागत महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया सहित अन्य ने किया। भक्तों ने निशान अर्पित कर सबकी मंगलकामना की। जगह-जगह पदयात्रा का किया गया स्वागतः पदयात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया। साहू परिवार ने बूटी मोड़ पर अल्पाहार, जबकि करम टोली स्थित शिवांश हाइट्स में हरिशंकर परशुरामपुरिया द्वारा भोजन व विश्राम की व्यवस्था की गयी। जिला मारवाड़ी सम्मेलन, अग्रवाल सभा, मारवाड़ी युवा मंच, गौ सेवा समिति, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सहित कई संगठनों ने स्वागत किया।इनका रहा सहयोगः समिति के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि संयोजक गोपाल मुरारका, हरिशंकर परशुरामपुरिया, ललित पोद्दार, राजेश ढांढनिया, अशोक लाडिया, आदि लोगों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

पहाड़ी मंदिर की दीवारों में आयीं दरारें, रिस रहा पानी,बदहाली के लिए जिम्मेदार कौन?

संवाददाता

रांचीः पहाड़ी मंदिर की दीवारों में दरारें आ गयी हैं. यह दरारें मामूली सी दिखती हैं, लेकिन बरसात के दिनों में इससे पहाड़ी मंदिर के अंदर पानी रिसता है. इससे मंदिर के साथ-साथ पहाड़ी को भी नुकसान हो रहा है, लेकिन इन दरारों को पाटने की दिशा में कोई कार्य नहीं किया जा रहा है. रिसाव के कारण मंदिर के अंदर का छज्जा भी टूट रहा है. दुर्गा मंदिर और नाग देवता के मंदिर का भी छज्जा टूट रहा है. मंदिर में आग से बचाव के उपाय भी नहीं हैं. अग्निशमन यंत्र नहीं लगा हुआ है. पहाड़ी मंदिर के शीर्ष पर बारिश का पानी तो गिरता है, लेकिन उसकी निकासी की व्यवस्था ठीक नहीं होने के कारण पानी ऊपर से पूरी तरह से नीचे नहीं उतर पाता है. इस कारण यह छत के किनारे-किनारे से रिसता है. मंदिर के जानकारों का कहना है कि लंबे समय से इस ओर ध्यान नहीं दिये जाने के कारण ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गयी है.

नौ साल से खड़ा है खंभा

गार्ड वॉल बनाने का काम अब तक पूरा नहीं

पहाड़ी मंदिर में मिट्टी को गिरने से रोकने के लिए गार्ड वॉल का निर्माण कार्य किया जा रहा था, जो आज तक पूरा नहीं हो पाया है. इस कारण बारिश के दिनों में ऊपर से मिट्टी का कटाव होता है और वह मिट्टी धीरे-धीरे नीचे आ जा रही है. इससे पहाड़ी व पेड़-पौधों को नुकसान हो रहा है. एक साल से पहाड़ी मंदिर परिसर में टीओपी भवन बनकर तैयार हो गया है, लेकिन आज तक इसका उद्घाटन नहीं हुआ है.

पहाड़ी मंदिर में तिरंगा फहराने के लिए लगाया गया पोल लगभग नौ साल से यूं ही खड़ा है. यह शोभा की वस्तु बनकर रह गया है. 24 जनवरी 2016 को तत्कालीन रक्षा मंत्री मनोहर पर्रिकर ने तिरंगा फहराकर इसका उद्घाटन किया था. कुछ साल बाद यहां झंडा फहराना बंद हो गया. तब से यह पोल यूं ही खड़ा है।

10 एकड़ पर अतिक्रमण

रांची पहाड़ी लगभग 27 एकड़ में फैली हुई है. इसमें से लगभग 10 एकड़ पर अतिक्रमण किया हुआ है. कई बार इसे खाली कराने का प्रयास किया गया, लेकिन अब तक खाली नहीं कराया जा सका.

मंदिर के जीर्णोद्धार का काम पूरा नहींः आज तक मंदिर के जीर्णोद्धार का काम पूरा नहीं हो पाया है. वर्ष 2015 में पहाड़ी मंदिर परिसर स्थित मुख्य हॉल को तोड़ा गया था. उसके बाद निर्माण शुरू करने को लेकर हजारों टन लोहा से लेकर अन्य सामग्री की व्यवस्था की गयी थी, लेकिन विवाद के कारण इसका निर्माण शुरू नहीं हो पाया. इस कारण से उक्त स्थल से धीरे-धीरे काफी मात्रा में लोहा सहित अन्य सामग्री गायब हो गयी.

जलमीनार का रखरखाव ठीक नहीं

पहाड़ी मंदिर स्थित जलमीनार भी रखरखाव के अभाव में जर्जर हो रही है. जलमीनार की बाहरी दीवार पर भी दरार पड़ने लगे हैं. वहीं, कर्मियों का आवास भी जर्जर हो गया है. इस कारण लंबे समय से यह खाली पड़ा हुआ है. वहीं, पहाड़ी मंदिर के ऊपरी तल्ले पर स्थित शौचालय की स्थिति भी खराब हो गयी है।

रांची से हैदराबाद के लिए नई फ्लाइट जल्द होगी शुरू

संवाददाता

रांची : बिरसा मुंडा एयरपोर्ट प्रबंधन की ओर से 28 विमानों के परिचालन का नया शिड्यूल जारी किया गया। नया शिड्यूल 01 मार्च से 31 मार्च तक प्रभावी होगा। एयरपोर्ट निदेशक आरआर मौर्या ने बताया कि 30 मार्च से एयर इंडिया एक्सप्रेस की ओर से हैदराबाद से रांची व रांची से हैदराबाद के लिए नई विमान सेवा शुरू होगी।

हैदराबाद से रांची आने वाला एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान 13:15 बजे बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर पहुंचेगा। इसी प्रकार, रांची से हैदराबाद के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस की विमान 13:45 बजे बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से उड़ान भरेगी।

रांची एयरपोर्ट, या बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, से कई शहरों के लिए फ्लाइटें उपलब्ध हैं। इनमें दिल्ली, बैंगलोर, कोलकाता, मुंबई, और पटना शामिल हैं।

देवघर से दिल्ली के लिए भी फ्लाइटः देवघर एयरपोर्ट से 30 मार्च से दिल्ली के लिए शाम में भी हवाई जहाज की सुविधा मिलेगी। दिल्ली से यह विमान शाम 5:30 में उड़ान भरेगी और देवघर एयरपोर्ट पर शाम सात बजे लैंड करेगी।

7 बजकर 40 मिनट पर देवघर एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए उड़ान भरेगी और रात 9:30 में दिल्ली पहुंचेगी। बता दें कि यह दूसरी फ्लाइट भी इंडिगो की ही होगी।

जानकारी हो कि देवघर में महज 550 मीटर विजिबिलिटी में विमानों की लैंडिंग होगी। इस तरह देवघर बिहार-झारखंड का इकलौता एयरपोर्ट हो गया है।

रांची एयरपोर्ट पर इन फ्लाइटों की सुविधाः एयरलाइन्सः एयर इंडिया एक्सप्रेस, इंडिगो, जेट एयरवेज, स्पाइसजेट, गो एयर, और इंडियन एयरलाइन्स जैसी एयरलाइन्स रांची से फ्लाइट्स संचालित करती हैं।

फ्लाइट्स की संख्याः रांची से हर हफ्ते लगभग 56 फ्लाइट्स दिल्ली के लिए, 31 फ्लाइट्स बैंगलोर के लिए, और 21 फ्लाइट्स कोलकाता के लिए चलती हैं।

फ्लाइट्स की टाइमिंगः फ्लाइट्स की टाइमिंग और उपलब्धता की जानकारी के लिए आप मेकमायट्रिप या स्काईस्कैनर जैसी वेबसाइट्स पर जा सकते हैं ।

रांची एयरपोर्ट पर मिलने वाली सुविधाएं

टर्मिनलः एयरपोर्ट में एक ही टर्मिनल है, जो 24 मार्च 2013 को खोला गया था। इस टर्मिनल में यात्रा डेस्क, लाउंज आदि की सुविधाएं हैं ।

विमान पार्किंग स्टैंडः भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने 3 और विमान पार्किंग स्टैंड बनाने का फैसला किया है, जिससे यह भारत का पहला टीयर-2 विमान क्षेत्र बन जाएगा जिसमें 8 विमान पार्किंग स्टैंड होंगे।

कार्गो टर्मिनलः पुराने टर्मिनल को अब एक कार्गो टर्मिनल में बदल दिया गया है, जिसे 10 फरवरी 2017 को झारखण्ड के मुख्यमंत्री रघुबर दास ने उद्घाटित किया था।

एयरलाइन्स और गंतव्यः रांची एयरपोर्ट से कई एयरलाइन्स जैसे कि एयर एशिया इंडिया, एयर इंडिया, एलाइंस एअर, गो एयर, इंडिगो आदि संचालित होती हैं, जो देश के विभिन्न शहरों जैसे कि बैंग्लोर, चेन्नई, दिल्ली, मुंबई, पटना आदि के लिए उड़ानें भरती हैं। वहीं, डस्टबिन के अभाव में लोग पूजन सामग्री को इधर-उधर फेंकने को मजबूर हैं.

सुविचार

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होता।

सुधारों से बढ़ेगी ग्रोथ

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कहा है कि भारत को मैक्रो-इकॉनमिक स्थिरता बनाए रखने के लिए कुछ ढांचागत सुधारों को लागू करना होगा। इन सुधारों से भारत 2047 तक विकसित बनने के सपने की ओर बढ़ पाएगा। आईएमएफ के सुझाव सही हैं और पहले भी एक्सपर्ट्स इस बात की ओर ध्यान दिला चुके हैं। दरअसल, केंद्र सरकार ने विकसित भारत का जो लक्ष्य रखा है, उसके लिए देश की सालाना जीडीपी ग्रोथ 8-9% होनी चाहिए। अभी इस लक्ष्य से देश काफी पीछे चल रहा है। आईएमएफ का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2025 और अगले वित्त वर्ष यानी 2026 में भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.5% रह सकती है। सरकार का अपना अनुमान इससे भी कम है। उसका मानना है कि वित्त वर्ष 2025 में ग्रोथ 6.4% रह सकती है। इस साल की दूसरी तिमाही यानी जुलाई-सितंबर तिमाही में 5.4% के साथ 8 वर्षों के निचले स्तर पर आ गई थी, जबकि अप्रैल-सितंबर यानी पहले 6 महीनों में ग्रोथ 6% रही। शुक्रवार को जीडीपी ग्रोथ की तीसरी तिमाही के आंकड़े आए। इस तिमाही में ग्रोथ 6.2% रही, जबकि पिछले साल की इसी तिमाही में ग्रोथ 8.6% थी। आईएमएफ की आर्टिकल **IV** कंसल्टेशन रिपोर्ट में संस्था के बोर्ड ने देश की मैक्रो-इकॉनमिक नीतियों की सराहना की है। साथ ही, यह भी कहा है कि 2047 तक विकसित बनने के लक्ष्य के लिए कृषि, भूमि, श्रम और न्यायिक जैसे ढांचागत सुधार करने होंगे। हालांकि, कृषि सुधारों की कोशिश किसानों के विरोध की वजह से सरकार को वापस लेनी पड़ी थी। भूमि और न्यायिक सुधारों की कोशिश भी पहले फेल हो चुकी है। ये मुद्दे राजनीतिक तौर पर संवेदनशील हैं। इन्हें लेकर सरकार को कानून लाने से पहले आम सहमति बनानी चाहिए। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत को टैरिफ दरों में और कमी करने की जरूरत है। इस सिलसिले में हालिया बजट में की गई पहल की सराहना करनी चाहिए, जिसमें कई चीजों पर कस्टम ड्यूटी में कमी की गई थी। दरअसल, जब तक घरेलू कंपनियां लागत और गुणवत्ता के मामले में अंतरराष्ट्रीय कंपनियों का मुकाबला नहीं कर पाएंगी, तब तक विदेशी बाजार में वे जगह नहीं बना पाएंगी। अगर उन्हें वैश्विक सप्लाई चेन का हिस्सा बनना है तो अंतराष्ट्रीय कंपनियों से मुकाबला करना ही होगा।

आईएमएफ की रिपोर्ट का लब्बोलुआब यही है कि अगर देश को तेजी से तरक्की करनी है तो अगले दौर के सुधारों की ओर कदम बढ़ाना होगा। रिपोर्ट में आयात घटाने के लिए घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देने वाली ढछक स्कीम की तारीफ करते हुए कहा गया है कि इसे इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग जैसे कुछ क्षेत्रों में भले कामयाबी मिल जाए, लेकिन इससे बड़े पैमाने पर रोजगार बढ़ाने में सफलता नहीं मिलेगी।

ग्रीन कार्ड से कमाई

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वीजा-सिटिजनशिप पॉलिसी पर एक और बड़ी घोषणा करके फिर सबको चौंका दिया है। गोल्ड कार्ड के जरिए अमीर विदेशियों को अमेरिका में स्थायी निवास की सुविधा और नागरिकता की राह मुहैया कराने का उनका ऐलान दुनिया भर में तीखी बहस की वजह बन गया है। अमल में आ जाए तो यह स्कीम अमीर विदेशियों को अमेरिकी नागरिकता मुहैया कराने का सबसे आसान उपाय साबित हो सकती है। जिस एइ-5 कार्यक्रम का विकल्प इसे बताया जा रहा है, उसमें भी अमेरिकी बिजनेस में निवेश या कम से कम 10 अमेरिकियों को रोजगार उपलब्ध कराने जैसी शर्तें जुड़ी हैं। मगर इस नई योजना में तो 50 लाख डॉलर (करीब 44 करोड़ रुपये) का भुगतान करने भर से गोल्ड कार्ड मिल जाने की बात है। ट्रंप का जोर भी इस नई योजना से अमेरिका को होने वाली आमदनी पर ही ज्यादा दिख रहा है। हालांकि कई अन्य देश इस तरह की सुविधा पहले से दुनिया भर के अमीरों को मुहैया कराते हैं, लेकिन वे छोटे-छोटे देश हैं। अमेरिका जैसे देश का ऐसी योजना लेकर आना बड़ी घटना होगी। स्वाभाविक ही, इससे सुरक्षा जैसे सवाल भी जुड़ते हैं क्योंकि ऐसी सुविधाओं का फायदा उठाने वालों में अपराधी तत्व भी होते हैं, जो अपने देश के कानून से बचने के लिए ऐसा करते हैं।

भले ट्रंप कह रहे हों कि कंपनियां इस योजना के जरिए टैलंटेड स्टूडेंट्स को ज्यादा आसानी से हायर कर पाएंगी, लेकिन यह साफ है कि नई पॉलिसी का जोर टैलंट से ज्यादा पैसों पर है। ऐसे में इस पॉलिसी का नुकसान उन लोगों को हो सकता है जो टैलंट की बदौलत अमेरिका में काम कर रहे हैं और बरसों से ग्रीनकार्ड के इंतजार में हैं। इनमें भारतीयों की अच्छी-खासी संख्या है। अभी इस घोषणा के साथ कई तरह के किंतु-परंतु जुड़े हैं। अमेरिका में इमिग्रेशन पॉलिसी में किसी भी बड़े बदलाव को कांग्रेस की मुहर चाहिए होती है। यह आशंका भी है कि कहीं इसकी गत ट्रंप की नागरिकता संबंधी घोषणा जैसी न हो, जिस पर अदालत ने रोक लगा दी है। इन सबके बावजूद, अमेरिकी राष्ट्रपति की इस घोषणा से यह सवाल ज्यादा स्पष्ट रूप में सामने आया है कि क्या सचमुच पैसा 'स्वर्ग' में बिना शर्त एंट्री दिला सकता है।

न्यायालयों में अनसुलझे मामलों की बढ़ती संख्या

न्यायिक देरी में योगदान देने वाला एक महत्त्वपूर्ण कारक जनसंख्या के लिए न्यायाधीशों का अपर्याप्त अनुपात है। भारत में, विकसित देशों की तुलना में कानूनी प्रणाली बहुत धीमी गति से काम करती है, जहाँ हर दस लाख निवासियों के लिए केवल 21 न्यायाधीश उपलब्ध हैं। सरकार सबसे बड़ी वादी है, जो सभी लंबित मामलों में से लगभग आधे मामलों के लिए ज़िम्मेदार है, जिनमें से कई छोटे मुद्दों पर अपील में बंधे हैं।

प्रियंका सौरभ

देश की न्याय व्यवस्था कई महत्त्वपूर्ण मुद्दों से जूझ रही है, जिसका मुख्य कारण भारतीय अदालतों में अभी भी 5 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। इनमें से कई मामले एक दशक से अधिक समय से लंबित हैं, जिनमें से लगभग 50 लाख मामले दस साल से भी अधिक समय पहले शुरू किए गए थे। नीति आयोग ने सुधारों की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हुए आगाह किया है कि मामले के समाधान की वर्तमान गति से केवल निचली अदालतों में लंबित मामलों को हल करने में 300 साल से अधिक लग सकते हैं।

भारत में, 'लंबित मामलों' का अर्थ कानूनी ढांचे के भीतर अनसुलझे मामलों की भारी संख्या है। स्थिति विशेष रूप से निचले न्यायिक स्तरों पर गंभीर है, जहाँ अधिकांश मामले दायर किए जाते हैं और न्यायाधीशों की कमी की वजह से निबटारा नहीं हो पाता। लंबित मामलों की बढ़ती संख्या भारतीय न्याय प्रणाली के लिए बड़ी चुनौती है। लंबी कानूनी प्रक्रियाएँ ₹न्याय में देरी न्याय से वंचित होने के समान है₹ कहावत को चरितार्थ करती हैं। अदालतों में मामलों की बड़ी संख्या अदालती दक्षता में बाधा डालती है और लंबित मामलों की संख्या में वृद्धि करती है, जिससे त्वरित न्याय लगभग असंभव हो जाता है। सर्वोच्च न्यायालय में 82, 000 से अधिक और उच्च न्यायालयों में 62 लाख से अधिक मामले लंबित होने के कारण, निर्णयों में देरी आम बात है। मुकदमेबाजी का वित्तीय बोझ आर्थिक विकास को भी बाधित करता है, क्योंकि यह संसाधनों को खत्म करता है और व्यक्तियों और व्यवसायों को कानूनी कार्यवाही करने से हतोत्साहित करता है। भारत में न्यायिक देरी की अनुमानित लागत दो मिलियन डॉलर से अधिक है। न्याय प्रणाली पर लंबित मामलों का प्रभाव गहरा और दूरगामी है। लंबे समय तक चलने वाले मामले कानूनी प्रणाली में जनता के विश्वास को डिगा सकते हैं। देरी का यह चक्र समस्या को और बढ़ाता है।

न्यायिक देरी में योगदान देने वाला एक महत्त्वपूर्ण कारक जनसंख्या के लिए न्यायाधीशों का अपर्याप्त अनुपात है। भारत में, विकसित देशों की तुलना में कानूनी प्रणाली बहुत धीमी गति से काम करती है, जहाँ हर दस लाख निवासियों के लिए केवल 21 न्यायाधीश उपलब्ध हैं। सरकार सबसे बड़ी वादी है, जो सभी लंबित मामलों में से लगभग आधे मामलों के लिए ज़िम्मेदार है, जिनमें से कई छोटे मुद्दों पर अपील में बंधे हैं। सीमित कोर्ट रूम स्पेस और पुरानी केस मैनेजमेंट प्रथाओं जैसी चुनौतियों से लंबी अदालती कार्यवाही और भी जटिल हो जाती है। दिल्ली उच्च न्यायालय मध्यस्थता केंद्र ने 15 वर्षों में 200, 000 से अधिक मामलों को सफलतापूर्वक हल किया है, जो वैकल्पिक विवाद समाधान विधियों की प्रभावशीलता को उजागर करता है। दुर्भाग्य से, वकील और वादी दोनों अक्सर स्थगन का दुरुपयोग करते हैं, जिसके कारण मामले सालों या दशकों तक टल जाते हैं। मैन्युअल दस्तावेजीकरण और पुरानी कानूनी प्रक्रियाओं पर निर्भरता मामलों के समय पर समाधान में बाधा डालती है, जिससे अनावश्यक नौकरशाही बाधाएँ पैदा होती हैं। लंबित मामलों के बैकलॉग को कम करने के लिए यह सुनिश्चित करना महत्त्वपूर्ण है कि कार्यवाही निरंतर हो। इसमें बढ़ती आबादी को समायोजित करने के लिए न्यायालय स्टाफिंग और बुनियादी ढांचे में निवेश करना शामिल है। न्यायालयों की संख्या बढ़ाने और पर्याप्त सहायक कर्मचारियों को नियुक्त करने से प्रक्रिया में तेजी लाने में मदद मिल सकती है। मामलों को अधिक तेजी से ट्रैक करने और आगे बढ़ाने के लिए प्रभावी केस प्रबंधन रणनीतियों को लागू करना भी महत्त्वपूर्ण है। उचित रूप से प्रबंधित मामलों के समय पर समाधान तक पहुँचने की अधिक संभावना होती है। कानूनी प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए कानूनों की नियमित समीक्षा और संशोधन अनिश्चितता को कम करने और कानूनी कार्यवाही में तेजी लाने के लिए आवश्यक है। वाणिज्यिक विवादों के त्वरित समाधान की सुविधा के लिए, वाणिज्यिक न्यायालय अधिनियम 2015 स्थगन पर सख्त नियम लागू करता है। मुकदमेबाजी से पहले मध्यस्थता को अनिवार्य करके वैकल्पिक विवाद समाधान को बढ़ावा देने से अदालतों पर बोझ कम करने में मदद मिल सकती है। मध्यस्थता अधिनियम (2023) वाणिज्यिक और नागरिक विवादों में मध्यस्थता को अनिवार्य बनाकर इसका समर्थन करता है, जिसका उद्देश्य अदालती लंबित मामलों को कम करना है। एक मजबूत लोकतंत्र न्याय के त्वरित और प्रभावी वितरण पर निर्भर करता है। न्यायिक देरी से निपटने के लिए न्यायिक बुनियादी ढांचे को बढ़ाना, मौजूदा रिक्तियों को भरना, ऐआई-संचालित केस प्रबंधन को अपनाना और वैकल्पिक विवाद समाधान को बढ़ावा देना आवश्यक है। न्यायिक जवाबदेही को दूरदर्शी नीति ढांचे के साथ जोड़कर, भारत की न्याय प्रणाली अधिक निष्पक्ष, सुलभ और समय पर बन सकती है। भारतीय अदालतों में लंबित मामलों से निपटने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है जिसमें तकनीकी प्रगति के साथ-साथ प्रशासनिक, कानूनी और बुनियादी ढाँचे में सुधार शामिल हो। हालाँकि प्रगति हुई है, लेकिन विवादों का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास महत्त्वपूर्ण हैं।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पाकिस्तान की तरह बबार्दी की ओर बढ़ता बांग्लादेश

मोहम्मद यूनुस को बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और अवामी लीग जैसी पार्टियों ने कभी पसंद नहीं किया और अब आमजनता का भी पूरा साथ उनको नहीं मिल रहा है। स्टूडेंट अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन के बैनर तले छात्रों ने अपना आंदोलन शुरू किया और शेख हसीना के तख्तापलट की वजह भी बना, तब उनकी मुख्य मांगों में रोजगार प्रमुख रहा, मगर यूनुस सरकार अब इस मोर्चे पर भी फिसड्डी साबित हुई है।

ललित गर्ग

कहते है कि 'जब गीदड़ की मौत आती है तो वह शहर की तरफ भागता है' भले ही यह एक मुहावरा है लेकिन बांग्लादेश पर खरा उतर रहा है, इसका मतलब है कि बांग्लादेश मुसीबत रूपी पाकिस्तान से दोस्ती बढ़ा रहा है। 30 लाख बांग्लादेशी लोगों की हत्या करने वाला पाकिस्तान अब दोस्त बन गया है और हर तरह से मदद करने वाला भारत दुश्मन। बांग्लादेश और पाकिस्तान की बढती नजदीकियां, बांग्लादेश का भारत विरोध और पाकिस्तान प्रेम इस मुल्क पर भारी पड़ सकता है और भारी पड़ रहा है। भले ही 54 सालों में पहली बार बांग्लादेश और पाकिस्तान सीधा कारोबार शुरू हुआ है। देखने वाली बात यह भी है कि पाकिस्तान और भारत के बीच संबंध सामान्य नहीं हैं और व्यापार ठप्प है। ऐसे में इसका असर भारत पर नहीं पाकिस्तान पर जरूर पड़ा है और वहां की जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। बांग्लादेश के लिए भारत जो मायने रखता है, उसकी भरपाई पाकिस्तान तो कतई नहीं कर सकता है। जिस बांग्लादेश को पाकिस्तानी क्रूरता से मुक्त कराकर एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत ने तमाम कुर्बानियों के बाद जन्म दिया, उसका भारत-विरोधी रवैया दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, बल्कि विडम्बनापूर्ण कहा जाएगा। भारत से पंगा बांग्लादेश को महंगा पड़ेगा।

अब अगर बांग्लादेश ने तय ही कर लिया है कि भारत से संबंध खराब करने की हर कीमत चुकाने के लिए तैयार है तो कुछ भी कहना बेमानी है। जब बांग्लादेश ने पाकिस्तान की राह पर चलने की ठान ही ली है, तो उनके दुष्परिणाम भी उसे ही भुगतने होंगे। बांग्लादेश के हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं, आम जनता पर दुःखों, परेशानियों एवं समस्याओं के पहाड़ टूटने लगे हैं। वहां जैसी आंतरिक गुटबाजी, प्रशासनिक शिथिलताएं, अराजकताएं और अव्यवस्थाएं बढ़ रही हैं, उसे देखते हुए सेना प्रमुख जनरल वकार उज-जमां ने सेना की भूमिका बढ़ाने की बात कही है। उनका संकेत साफ है, यदि अंतरिम सरकार हालात को संभाल पाने में नाकाम रहती है, तो सेना मोर्चा संभालने को तैयार है। दरअसल, शेख हसीना की विदाई के साथ वहां जिस तरह से राजनीतिक अस्थिरता एवं अराजकता बढ़ी है, उसका नुकसान पूरे देश को हो रहा है। न सिर्फ निवेश पर प्रभाव पड़ा है, विदेशी संबंध भी चरमरा रहे हैं, आर्थिक गिरावट तेजी से बढ़ रही है। भारत जैसे देश के साथ सामान्य व्यापार और ढांचागत विकास संबंधी योजनाओं में भी रुकावटें पैदा हुई हैं। बांग्लादेश भारत की सदाशयता एवं उदारता के बावजूद टकराव के मूड में नजर आ रहा है, उसका अल्पसंख्यक हिन्दुओं की सुरक्षा को लेकर भी ऐसा ही रवैया है, जिस बारे में वह भले ही अब दलील दे रहा है कि हालिया बांग्लादेश में हिन्दुओं से जुड़ी हिंसक घटनाएं सांप्रदायिक नहीं बल्कि राजनीतिक कारणों से हुई हैं।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि दोनों देशों के संबंध बिगाड़ने में पर्दे के पीछे पाकिस्तान की भूमिका साफ है। बांग्लादेश से हाल ही में आई रिपोर्ट चिंताजनक हैं। चल रहे राजनीतिक संकट और राज्य पुलिस की गिरावट ने अल्पसंख्यक समुदायों, खासकर हिंदुओं पर लक्षित हमलों के लिए अनुकूल स्थिति पैदा कर दी है। 1947 से, हिंदू आबादी 30 प्रतिशत से घटकर 9 प्रतिशत से भी कम हो गई है। शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद से स्थिति और खराब हो गई है, जो 2009 से सत्ता में थी। यह संकट पूर्वी पाकिस्तान और आधुनिक बांग्लादेश में हिंदुओं के प्रत्यक्ष और गुप्त नरसंहार के लंबे इतिहास को दशार्ता है। मंदिरों और पवित्र स्थलों पर 200 से अधिक कथित हमलों सहित वर्तमान हिंसा एक बड़े, निरंतर कट्टरतावादी अभियान का हिस्सा है। हालिया संकट, जो जुलाई 2024 में कथित छात्रों के विरोध प्रदर्शन से शुरू हुआ था, उसकी गहरी ऐतिहासिक जड़ें हैं और यह दशकों से बढ़ते मुस्लिम कट्टता से जुड़े तनावों को दशार्ता है।

भारत प्रारंभ से बांग्लादेश का सहयोगी एवं हितैषी रहा है, इसी कारण उसने पिछले डेढ़ दशकों में जो आर्थिक तरक्की हासिल की, छह फीसदी से अधिक दर से जीडीपी को बढ़ाया और 2026 तक विकासशील देशों के समूह में शामिल होने का सपना देखा, उन सब पर मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार संकीर्णतावादी एवं दुराग्रही सोच के कारण काली छाया मंडराने लगी है। आज कानून-व्यवस्था के सामने समस्या पैदा हो गई है, बांग्ला राष्ट्रवाद की वकालत करने वालों पर खतरा मंडरा रहा है, प्रगतिशील मुस्लिमों एवं अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं और बंगबंधु व मुक्ति संग्राम के इतिहास को मिटाने का प्रयास हो रहा है। बांग्लादेश की यह गति इसलिए हुई है, क्योंकि मोहम्मद यूनुस सरकार आम जन की अपेक्षाओं के अनुरूप चुनौतियों से लड़ पाने में नाकाम हो रही है और भारत से टकराव मोल लेने को तैयार बैठे बांग्लादेश के ऐसे हुक्मरान विवाद के नये-नये मुद्दे तलाश रहे हैं एवं दोनों देशों के आपसी संबंधों को नेस्तनाबूंद कर रहे हैं। आज वहां सांविधानिक, राजनीतिक वैधता का संकट तो गहराया ही है लेकिन लोकतांत्रिक मूल्य भी धुंधला रहे हैं।

मोहम्मद यूनुस को बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और अवामी लीग जैसी पार्टियों ने कभी पसंद नहीं किया और अब आमजनता का भी पूरा साथ उनको नहीं मिल रहा है। स्टूडेंट अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन के बैनर तले छात्रों ने अपना आंदोलन शुरू किया और शेख हसीना के तख्तापलट की वजह भी बना, तब उनकी मुख्य मांगों में रोजगार प्रमुख रहा, मगर यूनुस सरकार अब इस मोर्चे पर भी फिसड्डी साबित हुई है। उनकी कट्टरपंथी सोच और जिन्ना को राष्ट्रपिता बनाने जैसी पहल को देख उदारवादी छात्र खुद को छला हुआ महसूस करने लगे हैं, इस कारण विश्वविद्यालयों में हिंसा रूकने का नाम नहीं ले रही है। मोहम्मद यूनुस की अपरिपक्व राजनीतिक सोच एवं कट्टरवादी सोच के कारण ही बांग्लादेश ने भारत से दूरियां बढ़ाई है। रस्सी जल गयी पर ऐंठन नहीं गयी की स्थिति में यूनुस भूल गये कि अभी भारत में नरेन्द्र मोदी जैसे कद्दावर एवं सूझबूझ वाले विश्वनेता का शासन है, भारत से दुश्मनी कितनी भारी पड़ सकती है, पाकिस्तान की दुर्दशा से समझा जा सकता है। पाकिस्तान भारत विरोधी अभियान को लेकर बांग्लादेश पहुंचा है। मान न मान, मैं तेरा मेहमान वाली स्थिति में अस्थिर बांग्लादेश में चीन एवं पाकिस्तान जैसी तमाम बाहरी ताकतें दखल देने की इच्छुक हैं। इससे दोनों देश बांग्लादेश की जमीन से भारत को घेरना चाहते हैं, बांग्लादेश भी इन षडयंत्रकारी देशों की गिरफ्त में आ गया है और वह भारत विरोध को तीक्ष्ण करने में जुट गया है। भारत अपनी सीमाओं को अभेद्य बना रहा है तो बांग्लादेश समझौते के बावजूद बाधाएं डाल रहा है।

सीमाओं के खुले रहने से बांग्लादेश से लगातार अवैध घुसपैठ, हथियारों की तस्करी, ड्रग स्मगलिंग, नकली नोटों का कारोबार और आतंकवादी गतिविधियां लगातार हो रही हैं। विशेषतः पाकिस्तान अब अपनी आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिये बांग्लादेश का उपयोग कर रहा है। दरअसल, बांग्लादेश की युनूस सरकार पाकिस्तान के इशारों पर पुराने मुद्दे उछाल कर विवाद को हवा दे रही है। निश्चित ही पाक से उसकी बढ़ती नजदीकियां के चलते ही बांग्लादेश में पाक सेना के अधिकारियों की सक्रियता देखी गई है। यूनुस सरकार ने भारत विरोधी तत्वों को न केवल हवा दी है बल्कि उनको उग्र कर दिया है। भारत की उदारता को बांग्लादेश हमारी कमजोरी न मान ले, इसलिए उसे बताना जरूरी है कि भारत से टकराव की कीमत उसे भविष्य में चुकानी पड़ सकती है। यह भी कि संबंधों में यह कसैलापन, दौगलापन एवं टकराव लंबे समय तक नहीं चल सकता। उसकी यह कटुता उसके लिये ही कालांतर में घातक एवं विनाशकारी साबित हो सकती है। वैसे इसके संकेत मिलने शुरू हो गये हैं। यह विडंबना ही है कि नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस से क्षेत्र में शांति व सद्भाव की जो उम्मीदें थी, उसमें उन्होंने मुस्लिम कट्टरपंथ को आगे करके निराश ही किया है। उनकी सरकार लगातार विघटनकारी, अड़ियल व बदमिजाजी का रुख अपनाए हुए है, लेकिन अब राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका भी भारत के साथ बांग्लादेश में सकारात्मक भूमिका निभाने का संकेत दे चुका है। यह दक्षिण एशिया की शांति व समृद्धि के लिए बहुत जरूरी है।

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

आमलकी एकादशी का महत्व

आमलकी एकादशी इस बार 10 मार्च को है। होली और महाशिवरात्रि के बीच में पड़ने वाली इस एकादशी को आंवला एकादशी और रंगभरी एकादशी भी कहते हैं। फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को आमलकी एकादशी का व्रत रखा जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा का विशेष महत्व होता है। आमलकी एकादशी पर आंवले के पेड़ की पूजा और उसका इस्तेमाल खास तरीके से किया जाता है। यह व्रत उत्तम स्वास्थ्य और सौभाग्य के लिए माना जाता है। इस दिन मंदिर में आंवला का पेड़ लगाना भी शुभ होता है। मान्यता है कि आंवले के वृक्ष की पूजा और उसका सेवन करने से अच्छा स्वास्थ्य और भाग्य मिलता है। आइए आपको बताते हैं इस दिन का खास महत्व, पूजाविधि और पूजा का शुभ मुहूर्त कब से कब तक है।

आमलकी एकादशी तिथि कब से कब तक : आमलकी एकादशी 10 मार्च, सोमवार को है। फाल्गुन महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी 9 मार्च, रविवार सुबह 7 बजकर 45 मिनट से शुरू होकर 10 मार्च, सोमवार सुबह 7 बजकर 44 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार, आमलकी एकादशी 10 मार्च को मनाई जाएगी। आमलकी एकादशी का व्रत 10 मार्च को रखा जाएगा।

आमलकी एकादशी का महत्व : आमलकी एकादशी का व्रत करने से कई फायदे मिलते हैं। हिंदू धर्मग्रंथों के अनुसार, यह व्रत सैकड़ों तीर्थयात्राओं और यज्ञों के बराबर पुण्य देता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से पापों का नाश होता है और मोक्ष मिलता है। इससे जीवन के दुख दूर होते हैं और सुख-समृद्धि आती है। यह व्रत जीवन में सकारात्मक बदलाव लाता है और साथ ही करियर कारोबार में आगे बढ़ने के प्रयासों को सफलता मिलती है।

आमलकी एकादशी को कहते हैं रंगभरी एकादशी : आमलकी एकादशी को रंगभरी एकादशी भी कहते हैं और इस दिन से रंग खेलने का सिलसिला आरंभ हो जाता है। काशी में रंगभरी एकादशी धूमधाम से मनाई जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन भगवान शिव, माता पार्वती से विवाह के बाद पहली बार काशी आए थे। रंगभरी एकादशी पर भक्त शिव जी पर रंग, अबीर और गुलाल उड़ाकर खुशी मनाते हैं। इस दिन से काशी में छह दिन तक रंग खेलने की परंपरा शुरू होती है। मान्यता है कि शिव जी पर गुलाल चढ़ाने से जीवन सुखमय होता है। रंगभरी एकादशी का त्योहार शिव और पार्वती के काशी आगमन का प्रतीक है। इसे काशी की संस्कृति का हिस्सा माना जाता है।

आमलकी एकादशी की पूजाविधि : रंगभरी एकादशी के दिन भक्त भगवान शिव और माता पार्वती को प्रसन्न करने के लिए विशेष पूजा-अर्चना करते हैं। भगवान शिव को लाल गुलाल अर्पित किया जाता है, जो उनके उग्र स्वरूप का प्रतीक है। माता पार्वती को श्रृंगार का सामान चढ़ाने से सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। रात में जागरण और भजन-कीर्तन से भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है। इसके अलावा, भगवान विष्णु के सामने नौ बत्तियों वाला दीपक जलाकर रात भर रखने का भी विधान है। ऐसा माना जाता है कि इससे घर में सुख-शांति और समृद्धि आती है।

सेहत

मूड स्विंग्स को कम कर सकते हैं ये फूड्स

अक्सर ऐसा होता है कि हमें काफी चिड़चिड़ेपन का अहसास होता है या फिर बेवजह ही मन उदास या मूड खराब रहता है। ऐसे में हमें समझ में नहीं आता है कि क्या किया जाए। अमूमन हम अपने मूड को ठीक करने के लिए कई तरीकों का सहारा लेते हैं, लेकिन फूड भी इसमें एक अहम रोल निभा सकता है। जी हां, आप जो खाते हैं, उसका आपके मूड पर बहुत बड़ा असर होता है। सही फूड्स आपकी भावनाओं को स्थिर रखने, तनाव कम करने और यहां तक कि खुशी बढ़ाने में भी मदद कर सकते हैं। जहां डार्क चॉकलेट से लेकर ग्रीन टी, ओमेगा-3 से भरपूर फिश, केला, दही आदि तनाव को कम करने और एनर्जी लेवल को स्थिर रखने में मदद कर सकते हैं। वहीं, दूसरी तरफ, प्रोसेस्ड फूड आइटम्स, मीठे स्नैक्स और बहुत ज्यादा कैफीन मूड स्विंग को और भी बदतर बना सकते हैं।

केले : केले विटामिन बी6 से भरपूर होते हैं, जो सेरोटोनिन और डोपामाइन बनाने में मदद करते हैं। इससे आपको अच्छा महसूस होता है। इसमें फाइबर के साथ-साथ नेचुरल शुगर होती है, जिसकी वजह से आपको एनर्जी क्रैश की शिकायत भी नहीं होती है।

हरी पत्तेदार सब्जियां : हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, केल, मेथी व सरसों का सेवन करने से भी मूड स्विंग्स को हैंडल करना आसान हो जाता है। दरअसल, इनमें फोलेट अधिक पाया जाता है, जो मूड-रेग्युलेटिंग न्यूरोट्रांसमीटर के उत्पादन में मदद करता है। साथ ही साथ, यह मैग्नीशियम और आयरन से भरपूर है, जो एनर्जी लेवल को स्टेबल रखता है।

दही : दही में प्रोबायोटिक्स पाए जाते हैं, जो गट हेल्थ को बेहतर बनाते हैं। आपको शायद पता ना हो, लेकिन गट हेल्थ सीधेतौर पर आपके मूड को प्रभावित करता है। जिससे चिंता और तनाव को कम करने में मदद मिलती है। इसलिए, अपनी डेली डाइट में दही को जरूर शामिल करें।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज ब्रीफ

गिरिडीह में नकाबपोश अपराधियों ने घर में की डकैती

गिरिडीहः जिले के सरिया थाना क्षेत्र में बेखौफ अपराधियों ने एक घर में डकैती की घटना को अंजाम दिया है. पांच की संख्या में पहुंचे नकाबपोश अपराधियों ने युवक को कब्जे में लेकर पौने दो लाख रुपए नकदी सहित जेवरात पर हाथ साफ किया है. घटना की सूचना मिलने पर रात में ही सरिया पुलिस मौके पर पहुंची.

घटना का जायजा लेने के बाद अपराधियों की धर-पकड़ के लिए छापेमारी शुरू कर दी है. शनिवार रात में थाना क्षेत्र के अछुआटांड निवासी जितेन्द्र मंडल के घर में अचानक चोर घुस गए. जितेन्द्र मंडल ने जब लूटपाट का विरोध किया तब उसे अपने कब्जे में ले लिया. उसके साथ मारपीट भी की गई और जब शोर मचाने की कोशिश की तब उसे जान से मारने की धमकी देकर उसे चुप करा दिया गया.

भुक्तभोगी जितेन्द्र ने बताया कि घर में रखे 1 लाख 74 हजार नकद और जेवरात लेकर अपराधी फरार हो गए. सभी अपराधी नकाबपोश में थे, इस कारण किसी की पहचान नहीं हो सकी. घर में शादी होना था, जिसके लिए यह पैसे जमाकर रखे हुए थे. मामले में एसडीपीओ धनंजय कुमार राम ने कहा कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस रात में ही घटनास्थल पहुंची. घटना का जायजा लेने के बाद अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम द्वारा छापेमारी की जा रही है.

पेयजल के लिए पाट कूप निर्माण, नाली, सड़क, घाट सहित अनेकों कार्यों का शिलान्यास

साहिबगंज/बोरियो : विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बोरियो प्रखण्ड में विधायक प्रतिनिधि अरुण सिंह ने विधायक निधि योजना के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की योजनाएं जो जन हित में अत्यंत आवश्यक है।जैसे पेयजल हेतु पाट कूप निर्माण,नाली,सड़क, घाट सहित अनेकों कार्यों का शिलान्यास किया।वही विधायक प्रतिनिधि अरुण सिंह ने कहा कि बोरियो विधानसभा क्षेत्र के विधायक धनंजय सोरेन लगातार अपने विधानसभा क्षेत्र में विकास की रफ्तार को बढ़ाने के लिए तत्परता दिखा रहे हैं।स्वास्थ्य शिक्षा और विकास विधायक का प्रयास है।क्षेत्र वासियों को किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न होती तो हमें सूचित करें।सभी समस्याओं का निदान स-समय किया जाएगा।मौके पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष जेठा मरांडी, प्रखंड सचिव गफ्फार अंसारी,कोषाध्यक्ष निताय मंडल,उपाध्यक्ष मंडल मरांडी,मंडरो प्रखंड अध्यक्ष सुबोध सोरेन,प्रखंड सचिव संजय मिश्रा उर्फ बबलू मिश्रा,रिजवान अंसारी,शकील अहमद,मो एजाज अंसारी,मो मुमताज अंसारी,युवा नेता मिट्ठू कुमार दत्ता,विजय यादव बाबूलाल हेम्ब्रम,बरन किस्कु,फैयाज अंसारी,फरहाद अंसारी,मंजूर आलम,नजीर अंसारी,अर्जुन रजक आलम अंसारी,आलोक कुमार सेन,समेत अन्य मौजूद थे।

कलियुग में मात्र नाम रटने से मोक्ष की प्राप्ति होती है : साध्वी साक्षी

साहिबगज /मंडरोः प्रखंड क्षेत्र के तेतरिया गांव में सात दिवसीय श्रीभागवत कथा ज्ञान सप्ताह के तीसरे दिन अयोध्या से आई साध्वी साक्षी ने कथावाचन में उपस्थित श्रद्धालुओं और श्रोताओं को बताई कि जब जब होई धरम की हानी बडे हि असुर अधमअभिमानी तब-तब धरि प्रभु विविध शरीरा, हरहि दयानिधि सज्जन पीरा अर्थात जब-जब पृथ्वी पर धर्म की हानि होती है।दुष्टों और अभिमानियों का प्रभाव बढ़ने लगता है।सज्जनों की दुख को हरने के लिए करुणा निधान भगवान काल समय व परिस्थिति के अनुसार अलग अलग रूपों मे अवतार लेते हैं।त्रेतायुग द्वापरयुग में भगवान की लीला हुई उस लीला में असुरों का संहार प्रभु ने खेल खेल में किये। साथ ही जो भगवान के भक्त रहे उनकी रक्षा ईश्वर स्वयं किये है। सत्य से बडे कर कोई दुसरा धर्म ही नहीं है। कलियुग में मात्र नाम रटने से मोक्ष की प्राप्ति होती है।मोके पर शंकर मंडल पबी मंडल शशि जयसवाल, सहित दर्जनों कार्यकर्ता इस कथा में बढ़-चढ़ कर भाग ले रहे हैं।

इंटर कॉलेज के प्राचार्य ने अंगिका भाषा के जटायु का किया विमोचन

साहिबगंज/बोरियोःशिबू सोरेन जनजातीय इंटर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. कुलेश ठाकुर के द्वारा अंगिका भाषा की पुस्तक जटायु का भव्य विमोचन किया गया।इस दौरान प्रो.कुलेश ठाकुर ने बताया कि पुस्तक का अनावरण करते हुए इसे अंगिका भाषा और साहित्य के लिए महत्वपूर्ण योगदान बताया वही उन्होंने उन्होंने अंगिका भाषा के समृद्ध साहित्य पर चर्चा की और इस पुस्तक को नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक बताया।इस मौके पर प्रसिद्ध विद्वान डॉ.अमरेंद्र कुमार,डॉ.विमल अनिरुद्ध,डॉ. प्रदीप प्रभात,डॉ.राधे श्याम सहित अन्य साहित्य प्रेमी मौजूद थे।

उपायुक्त ने किया जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों की समीक्षात्मक बैठक

दुमका : जिले के उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे की अध्यक्षता में शनिवार को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रखंड स्तर पर आयोजित होने वाले जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों की समीक्षात्मक बैठक का अयोजन किया गया। बैठक में उपायुक्त ने सभी प्रखंड से प्राप्त शिकायतों एवं उनके निष्पादन की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रखंड स्तर पर प्राप्त शिकायतों पर तुरंत संज्ञान लें तथा शिकायत के निष्पादन की सूचना शिकायतकर्ता को उपलब्ध कराए।

हर थाना प्रभारी और पुलिस पदाधिकारी का कर्त्तव्य और कानूनी बाध्यता है : संजय कुमार

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : झारखण्ड़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रॉची के निदेर्शानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहिबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में आज व्यवहार न्यायालय परिसर में स्थित लोक अदालत कक्ष में जिला स्तरीय मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ।प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायलय, साहेबगंज संजय कुमार उपाध्याय जिला न्यायाधीश सह अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश दुतीय बिरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव,जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष प्रेम नाथ तिवारी, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय विजय कुशवाहा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, राजमहल विमलेश त्रिपाठी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, साहेबगंज किशोर तिर्की अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बरहरवा नितिन खंडेलवाल, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक, साहेबगंज नीरज कुमार साह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर

उद्घाटन किया।प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायलय साहिबगंज संजय कुमार उपाध्याय ने कहा कि हर थाना प्रभारी और पुलिस पदाधिकारी का कर्त्तव्य और कानूनी बाध्यता है कि मोटर दुर्घटना में पीड़ित परिवार को ससमय और उचित मुआवजा मिले।ऐसा नहीं करने पर कानूनी प्रतिबंध्यता है। उन्होंने चर्चा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के कागजातों की डीटीओ से जांच कराना अनिवार्य है। पुलिस पदाधिकारियों के कर्त्तव्यों को बताते हुए कहा कि दुर्घटना के बाद इंशोरेंस कंपनी को जानकारी देना है और इंशोरेंस कंपनी को ससमय रिपोर्ट सौंपना और वैद्य स्वीकृति देना कार्य है। मुआवजा राशि देने के उद्देश्यों से अवगत कराते हुए उन्होंने कहा कि मुआवजा राशि भुगतान का मुख्य उद्देश्य पीड़ित परिवार को रोजगार और जीवनयापन के लिए सहायता राशि मुहैया कराना है।

इस अवसर पर जिला न्यायाधीश सह अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश दुतीय बिरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने मोटर दुर्घटना कानूनों में हुए बदलाव को उल्लेख करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना में 30 दिनों के अंदर पुलिस को दुर्घटना से संबंधित कागजात न्यायालय में प्रस्तुत करना है। ऐसा नहीं होने पर कोर्ट को सूचित करना आवश्यक है। उन्होंने थाना प्रभारियों से बेहतर करने की अपेक्षा करते हुए कहा कि आपलोग बेहतर कर सकते है । उन्होंने पदाधिकारियों से कहा कि संकल्प लेकर यहां से जाने की जरूरत है कि पीड़ित परिवार को सही मुआवजा दिलाना सुनिश्चित करें। जो बिना इंशोरेंस कंपनी और पुलिस पदाधिकारी के सहयोग का संभव नहीं हैं। उन्होंने मुआवजा दिलाने में पुलिस पदाधिकारियों कि महत्ती भूमिका और कर्त्तव्यों को बता थानाध्यक्षों को अपनी भूमिका कर्त्तव्यनिष्ठा से निभाने का अपील किया। इस अवसर पर चीफ एलएडीसी, अरविन्द गोयल व उनकी टीम, सड़क अभियंता अनुज कुमार, आईटी सहायक राजहंस, पुलिस पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

जिला स्तरीय महिला मोर्चा कमेटी का गठन

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज/राजमहल : स्थानीय निरीक्षण भवन राजमहल में झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक जिला समिति की बैठक जिला अध्यक्ष मिथुन कुमार यादव की अध्यक्षता में हुई।बैठक में जिला स्तरीय महिला मोर्चा कमेटी का गठन किया गया है।इस बैठक में झारखंड मजदूर संघ महिला मोर्चा प्रजा०जिला अध्यक्ष अंशु कुमारी,जिला कार्यकारी अध्यक्ष रूमकी दास,जिला महामंत्री सोनी कुमारी,उपाध्यक्ष संगीता कुमारी,श्रुति कुमारी,सहायक मंत्री मनवाड़ा खातून,लक्ष्मी शाह, कार्यालय मंत्री लिपिका कुमारी, कोषाध्यक्ष शिल्पी देवी,संगठन मंत्री रीता देवी एवं कार्य समिति सदस्य तापसी कुमारी,जमुना दास,प्रिया कुमारी सहित 21 सदस्य वाली कमेटी को चुना गया।जहा सभी नए कमिटी को संगठन के केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने माला पहना कर स्वागत किया गया।इस बैठक में केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने कहा कि असंगठित मजदूरों को संगठित करना महिलाओं को भागीदारी सुरक्षित करना साथ ही कहा कि साहिबगंज जिले में अवैध चालान बालू की रोक लगाने की मांग पुलिस प्रशासन से की है।उन्होंने कहा कि एक ट्रैक्टर बालू की कीमत 6500 लेने से अबूआ आवास या प्रधानमंत्री आवास में निर्माण कार्य में क्षति पहुंचता है।बैठक में जिला महामंत्री मोहम्मद इमाम,फूल कुमारी देवी,विश्वास, मनोज मनोज सोरेन दिव्या हांसदा मोनिका देवी,मिथुन राजवंशी, श्रीदाम बासु,रूपचंद राय, कार्तिक राय,सीमा देवी, मोहम्मद हफीजुल विश्वास, राजमहल प्रखंड अध्यक्ष यमुना राय सुष्मिता दास छवि पासवान सहित कई लोग मौजूद थे।

किसानों का जमीन लगान रसीद सरकार कटवाना जल्द शुरू करें : किसान

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : रेलवे जेनरल इंस्टीच्यूट परिसर में रविवार को पूर्व बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार भारतीय हलधर किसान यूनियन की सप्ताहिक बैठक डा०शैलेश कुमार गिरि राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता व बिहार झारखंड प्रदेश प्रभारी के निर्दशानुसार सम्पन्न हुई।जिसकी अध्यक्षता यूनियन के अध्यक्ष लक्ष्मण यादव ने किया।इस दौरान किसानों ने अपनी अपनी समस्याओं से जुड़ी बातों को रखा।किसानों ने बताया कि जमीन का लगान रसीद काटना बंद हैं।जबकि किसान अपने जमीनों का रसीद कटाने के लिए तैयार हैं।जमीन लगान का रसीद काटने का सरकार शीघ्र व्यवस्था करें।जिससे किसानों का ससमय लगान रसीद कटवा ले।इस क्रम में अपनी पुरानी समस्या प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत किसानों का लंबित फसल बीमा की राशि की ओर सरकार ध्यान आकृष्ट करने की बात रखी।आपदा प्रबंधन की ओर से किसान को शिविर में बाढ़ रिलीव दी जाती हैं।उसी क्षेत्र के किसान

को फसल नुकसान होने पर कहा जाता है,फसल अच्छा हुआ इसलिए फसल बीमा के नियमानुसार नहीं मिलेगा।आखिर कैसा सर्वे कराया गया।एक ही क्षेत्र के किसान को बाढ़ पीड़ित घोषित कर रिलीव दिया गया।वही फसल बाढ़ में डूब जाने से बर्बाद हुआ।किसान को अभी तक बीमा राशि की भुगतान नहीं किया गया है।दिसंबर 2024 तक हो चुका जमीन बीमा का राशि का अभिलम्ब भुगतान किया जाय।किसान का कृषि ऋण को लेकर बैंक का नोटिस जारी किया जाता हैं।जबकि सरकार ने किसान का कृषि ऋण माफ कर दी हैं।किसानों ने सरकार से खेती करने के लिए ब्याज मुक्त कृषि ऋण की मांग रखा।वही किसान को पेंशन योजना से जोड़ कर पेंशन चालू किया जाय।वही पीड़ित लक्ष्मण यादव को माननीय उच्च न्यायालय रांची से पारित आदेश एवं सूचना राज्य आयुक्त रांची के आदेश के बाबजूद क्षतिपूर्ति का भुगतान नहीं किए जाने पर किसानों ने खेद व्यक्त किया।यूनियन की अगली बैठक 17 मार्च को होगी।इस मौके पर शंकर प्रसाद यादव, चंद्रमा प्रसाद यादव, मन्नू यादव, भरत पांडे, पवन कुमार यादव,रुदल यादव आदि उपस्थित थे।

अवैध कोयला परिवहन कर रहे पांच मोटरसाइकिल जब्त

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज/मंडरो : वन विभाग ने अवैध कोयला तस्करी के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए बड़ी कार्यवाही की है।डीएफओ प्रबल गर्ग के निर्देश पर मंडरो फॉसिल पार्क के निकट मुख्य मार्ग पर वन विभाग की टीम ने छापेमारी कर 5 कोयला लदी मोटरसाइकिल जब्त की।इस दौरान लगभग 40 क्विंटल कोयला बरामद किया गया।इस अभियान का नेतृत्व वनपाल राणा रंजीत चौधरी कर रहे थे,जिनके साथ वनरक्षी अंकित झा,सुनील कुमार,सनी रजक,अमित कुमार,प्रेम कुमार,इंद्रजीत कुमार,फैलिसिटस हांसदा समेत अन्य वनकर्मी मौजूद थे।विभाग का यह अभियान अवैध कोयला खनन और परिवहन पर रोक लगाने के उद्देश्य से चलाया गया।डीएफओ प्रबल गर्ग ने स्पष्ट किया कि अवैध कोयला तस्करी के

खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में अवैध कोयला खनन और परिवहन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा,क्योंकि इससे सरकार को राजस्व की भारी क्षति होती है और पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचता है।वन विभाग ने यह भी संकेत दिया कि इस अवैध धंधे में शामिल पूरे नेटवर्क को चिन्हित कर कानूनी प्रक्रिया के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उप विकास आयुक्त ने किया झारखंड जलछाजन योजना का निरीक्षण

दुमका : जिले के उप विकास आयुक्त अभिजीत सिन्हा ने शनिवार को दुमका प्रखंड अंतर्गत विभिन्न गाँवों में संचालित झारखण्ड जलछाजन योजना का निरीक्षण किया। उप विकास आयुक्त श्री सिन्हा ने दुमका प्रखंड के पंचायत- घासीपुर अन्तर्गत ग्राम चापुड़िया में निर्मित ड्रम चेक डैम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में योजना स्थल पर योजना-पट्ट लगाने का निदेश दिया गया। उप विकास आयुक्त द्वारा ड्रम चेक डैम का फिनिशिंग कार्य गुणवत्ता पूर्ण ढ़ग से सम्पन्न कराने का निदेश दिया गया। निरीक्षण के दौरान कनीय अभियंता अनुपस्थित पाये गये जिनका आज का मानदेय कटौती करने एवं अगले आदेश तक मानदेय भुगतान पर रोक लगाने का निदेश दिया गया। उप विकास आयुक्त द्वारा झारखण्ड जलछाजन योजना अन्तर्गत प्रखण्ड- दुमका के ग्राम-धमना में निर्मित अर्देन चेक डैम (अर्थन चेक दम) ग्राम चापुड़िया में निर्मित लूज बोल्डर स्ट्रक्चर एवं प्रक्रियाधीन कार्यों का विडियो बनाकर कार्यालय में दिखायें। कार्य गुणवत्तापूर्ण नहीं होने की स्थिति में भुगतान की राशि में कटौती की जाएगी साथ हीं संबंधित एजेंसी के विरूद्ध नियमसंगत कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त श्री सिन्हा के साथ जिला तकनीकी विशेषज्ञ जितेन मालपहाड़िया उपस्थित थे।

गढ़वा में प्रधानाध्यापक की पिटाई से छात्र हुए जख्मी, ग्रामीणों ने की हटाने की मांग

मेट्रो रेज संवाददाता

गढ़वाः जिले के मझिआंवा थाना अंतर्गत पुरहे हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक संतोष कुमार सिंह के द्वारा चार छात्रों का पिटाई की गई. पिटाई से घायल हुए छात्रों के परिजन जानकारी मिलने के बाद स्कूल पहुंचे. घायल चारों छात्रों को मझिआंवा अस्पताल में भर्ती कराया गया. जहां एक छात्र का गंभीर स्थिति को देखते हुए रेफर किया गया है.

परिजनों ने किया सड़क जाम

इस घटना के बाद परिजनों द्वारा हंगामा किया गया और कुछ समय के लिए मझिआंवा-विशुनपुरा सड़क को बंद कर दिया गया. पुलिस प्रशासन के समझाने के बाद सड़क को खाली किया गया. घटना स्थल पहुंचे पदाधिकारियों ने ग्रामीणों की बातों को ध्यान से सुना उसके बाद कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया. जिसके बाद ग्रामीण शांत हुए.

मौके पर स्कूल पहुंचे जिला शिक्षा अधीक्षक

घटना की जानकारी मिलते ही जिला

शिक्षा अधीक्षक अनुराग मिंज, अंचल अधिकारी प्रमोद कुमार, थाना प्रभारी चंदन प्रधान, एसआई नसीम अंसारी सहित अन्य पदाधिकारी स्कूल पहुंचे. विद्यालय पहुंचने के बाद ग्रामीणों के साथ-साथ परिजनों ने विद्यालय के प्रधानाध्यापक को विद्यालय से हटाने की मांग रखी. ग्रामीणों ने शिकायत करते हुए कहा कि प्रधानाध्यापक के द्वारा छात्रों की अक्सर पिटाई की जाती है.

शिक्षा अधीक्षक ने विद्यालय का किया निरीक्षण

जिला अधीक्षक ने विद्यालय का निरीक्षण किया. इस दौरान विद्यालय में कई तरह की अव्यवस्थाएं दिखी. विद्यालय में पढ़ाई की व्यवस्था कोई खास नहीं दिखी. इस विद्यालय को सरकार के द्वारा 2011 में अपग्रेड किया गया था. लेकिन आज तक इस विद्यालय में शिक्षकों के खाली पद को नहीं भरा गया है. आज भी यह विद्यालय दो सरकारी और दो पारा शिक्षक के सहारे ही चल रहा है.

घायल छात्र से मिले अधिकारी, ली पूरी जानकारी

इस दौरान अधिकारियों ने इलाजरत घायल छात्र से मुलाकात की. घायल छात्र ने कहा कि आपस में कुछ बच्चे फुटबॉल लेकर बाहर निकले थे. इसी कारण हमलोगों की पिटाई कर दी गई है. वहीं इस मामले को लेकर प्रधानाध्यापक सत्येंद्र सिंह ने बताया कि ये लोग शरारत कर रहे थे. इसलिए इन छात्रों को सिर्फ डांट फटकार किया गया न कि मारपीट की गई है.

इधर छात्रों की पिटाई जैसी घटना के संबंध में पूछे जाने पर जिला शिक्षा अधीक्षक अनुराग मिंज ने कहा कि बच्चों के साथ जो मारपीट की गई है, यह सरासर गलत है. उन्होंने कहा कि इसकी जांच कर प्रधानाध्यापक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. विद्यालय की व्यवस्था के संबंध में कहा कि विद्यालय की बहुत ही खराब स्थिति में है. इसमें भी सुधार किया जाएगा.

मेरा करियर आलोचना के सहारे ही बना है, मैं इसका आनंद लेता हूं : जॉन अब्राहम

जॉन ने कहा कि किसी भी कहानी को दर्शकों के बीच पहुंचाने में पटकथा की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है

अभिनेता-फिल्म निमार्ता जॉन अब्राहम का कहना है कि उनके दो दशक से अधिक लंबे करियर में उन्हें अक्सर नजरअंदाज किया गया लेकिन दर्शकों ने उन्हें आगे बढ़ाया और वह इसका सम्मान करते हैं। अब्राहम ने कहा कि वह अच्छी फिल्में करके इसका बदला चुकाना चाहते हैं। वह 'धूम', 'रेस 2' 'सत्यमेव जयते', 'ढिशूम' और 'पठान', 'गरम मसाला', 'दोस्ताना', 'हाउसफुल 2, 'वाटर, 'नो स्मोकिंग', 'न्यूयॉर्क', 'मद्रास कैफे', 'परमाणु'और 'वेदा' जैसी अलग-अलग तरह की फिल्मों में काम कर चुके हैं। अब्राहम ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सच्ची घटनाओं पर आधारित उनकी आगामी फिल्म द डिप्लोमैट दर्शकों को बहुत पसंद आएगी। अब्राहम ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, 'लोग पहले कहते थे कि परमाणु मेरी पहली फिल्म है, क्योंकि मैं चार साल तक नदारद रहा था। मुझे हर दिन नजरअंदाज किया जाता है और यह ठीक है, मुझे इससे कोई परेशानी नहीं है। मेरा करियर आलोचनाओं पर आधारित रहा है और मैं इसका आनंद लेता हूं। उन्होंने कहा, 'मुझे आगे बढ़ाने वाली एकमात्र चीज मेरे दर्शक हैं। व्यापार जगत के लोग, निमार्ता, आलोचक सभी आपको कमाई के आधार पर आंकते हैं और मैं यह सब समझता हूं, और इसका सम्मान करता हूं। यह व्यवसाय है। लेकिन जिन्होंने मुझे आगे बढ़ाया है और जीवित रखा है, वे मेरे दर्शक हैं। मैंने 'द डिप्लोमैट' उन्हीं दर्शकों के लिए बनाई है। 'फिल्म उद्योग के लिए कमाई के नजरिये से यह वर्ष बहुत खराब रहा और अब्राहम का मानना है कि अब बुनियादी बातों पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि किसी भी कहानी को दर्शकों के बीच पहुंचाने में पटकथा की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अब्राहम ने कहा, 'एक निमार्ता और एक अभिनेता के तौर पर मेरा लक्ष्य सिर्फ अच्छी फिल्म बनाना और ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक पहुंचना है।

आशिकी 2 से श्रद्धा कपूर बन गई थीं रातोंरात बड़ी स्टार

आज मना रहीं 38वां जन्मदिन

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर आज यानी की 03 मार्च को अपना 38वां जन्मदिन मना रही हैं। एक्ट्रेस अपने मासूम, क्यूट लुक्स और सिजलिंग अदाओं का परफेक्ट कॉम्बिनेशन है। इनकी खूबसूरती पर हर कोई फिदा है। यह एक खूंखार विलेन शक्ति कपूर की बेटी हैं। एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर एक बेहतरीन अभिनेत्री होने के साथ-साथ शानदार सिंगर है। तो आइए जानते हैं उनके बर्थडे के मौके पर एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और शिक्षा : मुंबई में 03 मार्च 1987 को श्रद्धा कपूर का जन्म हुआ था। उनके पिता का नाम शक्ति कपूर है, जोकि बॉलीवुड के खूंखार विलेन के तौर पर अपनी पहचान बनाई है। वहीं उनकी मां का नाम शिवांगी कोल्हापुरे है। श्रद्धा कपूर ने अपनी शुरूआती पढ़ाई जमनाबाई नर्सरी स्कूल से और अमेरिकन स्कूल ऑफ बॉम्बे से की। फिर आगे की पढ़ाई के लिए श्रद्धा अमेरिका चली गईं और वहां पर बोस्टन यूनिवर्सिटी में एडमिशन लिया। श्रद्धा कपूर ने कॉफी शॉप पर भी काम किया। पढ़ाई के दौरान पढ़ाई खत्म होने के बाद एक्ट्रेस ने अपने फिल्मी करियर पर ध्यान देना शुरू किया।

फिल्मी करियर : साल 2010 में श्रद्धा कपूर ने फिल्म 'तीन पत्ती' से फिल्मी दुनिया में कदम रखा। फिर बतौर लीड एक्ट्रेस साल 2013 में उन्होंने फिल्म 'आशिकी 2' में काम किया और वह बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस में शुमार हो गईं। इससे पहले श्रद्धा को पहला ऑफर महज 16 साल की उम्र में मिला था। दरअसल, सलमान खान ने श्रद्धा कपूर की एक्टिंग की तारीफ की थी। उन्होंने बोस्टन यूनिवर्सिटी में श्रद्धा कपूर को नाटक में परफॉर्म करते देखा था। जिसके बाद सलमान खान ने श्रद्धा कपूर को काम ऑफर किया था।

इस फिल्म से मिली पहचान : आशिकी 2 में श्रद्धा कपूर के अपोजिक आदित्य रॉय कपूर थे। इस म्यूजिकली हिट फिल्म से एक्ट्रेस रातों-रात स्टार बन गईं। इसके बाद उन्होंने एक के बाद एक कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया। श्रद्धा कपूर ने एक विलेन, हैदर, एबीसीडी 2, बागी, स्त्री, छिछोरे और तू झूठी मैं मक्कार जैसी शानदार फिल्मों में काम कर दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बनाई।

एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा और अभिनेत्री कियारा आडवाणी के घर गूंजेगी किलकारी, फैंस के साथ खुशी की साझा

बॉलीवुड की सफल जोड़ियों में शुमार एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा और अभिनेत्री कियारा आडवाणी जल्द ही पेरेंट्स बनने वाले हैं. कपल ने अपने फैंस को बड़ी खुशखबरी दी है. दोनों ने अपने घर आने वाली नई खुशी की जानकारी फैंस के साथ साझा की है. एक्ट्रेस कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा लोगों की पसंदीदा जोड़ियों में से एक हैं. दोनों पर लोग काफी प्यार लुटाते हैं. सोशल मीडिया पर भी दोनों काफी एक्टिव रहते हैं और लाइफ की हर अपडेट साझा करते हैं. अब दोनों ने अपनी लाइफ की सबसे बड़ी खुशखबरी साझा करके फैंस का दिन बना दिया है. दोनों ने अपने घर आने वाले नन्हे मेहमान से जुड़ी अपडेट दी है. कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा अपने बेबी को वेलकम करने की तैयारी में जुट गई हैं. कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने इस गुड न्यूज को साझा करते हुए एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें एक खास फोटो दिखाई है.

कपल ने किया पोस्ट : बता दें, कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा की शादी को दो साल पूरे हो गए हैं. दोनों ने 7 फरवरी, 2023 को राजस्थान के सूर्यगढ़ पैलेस में एक प्राइवेट समारोह में शादी के बंधन में बंधे थे. कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने साफ कर दिया है कि वो अब अपने बच्चे के आने की तैयारी कर रहे हैं. शुक्रवार को इस जोड़े ने इंस्टाग्राम पर यह घोषणा की, जिसमें उन्होंने बेबी के मोजे को पकड़े हुए एक प्यारी सी तस्वीर साझा की है. इसके साथ ही उन्होंने एक प्यारा सा कैप्शन भी लिखा, हमारे जीवन का सबसे बड़ा उपहार. जल्द ही आ रहा है. ये पोस्ट सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गया है और कपल को फैंस का भर-भरकर प्यार मिल रहा है. फैंस लगातार कपल को बधाई दे रहे हैं.

चैंपियंस ट्रॉफी : सेमीफाइनल में भारत-ऑस्ट्रेलिया की टक्कर, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका आमने-सामने

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत मंगलवार को दुबई में खेले जाने वाले चैंपियंस ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा। भारत ने रविवार को अपने अंतिम ग्रुप-स्टेज मुकाबले में न्यूजीलैंड को 44 रनों से हराकर अंतिम चार में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले की पटकथा लिखी थी। वहीं, न्यूजीलैंड बुधवार को लाहौर में खेले जाने वाले दूसरे सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगा।

पेचीदा शेड्यूलिंग का असर

टूर्नामेंट के शेड्यूलिंग फैसलों के कारण ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका दोनों पहले ही दुबई पहुंच चुके थे। आईसीसी के एक अधिकारी ने बताया कि 4 मार्च को दुबई में सेमीफाइनल खेलने वाली टीम (ऑस्ट्रेलिया) को तैयारी के लिए अधिकतम समय देने का निर्णय लिया गया था। हालांकि, इससे दक्षिण अफ्रीकी टीम को असुविधा हुई, क्योंकि उन्हें दुबई से पाकिस्तान लौटना पड़ेगा।

सेमीफाइनल को लेकर रोहित शर्मा का उत्साह

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा टीम के प्रदर्शन से संतुष्ट नजर आए। भारत चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप चरण में अपने सभी मैच जीतने वाली एकमात्र टीम रहा। न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के बाद रोहित ने कहा, 'इतने छोटे टूर्नामेंट में गति बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण है। हम हर मैच जीतने की कोशिश कर रहे हैं और गलतियों को जल्दी सुधारना ही सफलता की कुंजी है।' ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले सेमीफाइनल को लेकर उन्होंने कहा, 'यह एक बड़ा मुकाबला होने जा रहा है। हम जानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया का आईसीसी टूर्नामेंट में शानदार रिकॉर्ड रहा है। यह हमारे लिए अपनी रणनीति सही तरीके से लागू करने का अवसर है। हमें इस मुकाबले का इंतजार है और उम्मीद है कि हम एक और जीत दर्ज कर सकेंगे।'

न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की यात्रा

न्यूजीलैंड सोमवार को दुबई से लाहौर के लिए उड़ान भरेगा, जबकि दक्षिण अफ्रीका लगभग 36 घंटे दुबई में बिताने के बाद पाकिस्तान लौटेगा। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर ने कहा, 'हम 12.30 या 1 बजे (दुबई) से निकलेंगे। हम वहां पहुंचकर आराम करेंगे, प्रशिक्षण लेंगे और पूरी तरह तैयार होंगे।'

कृष्णा जयशंकर ने तोड़ा राष्ट्रीय रिकॉर्ड, माउंटेन वेस्ट इंडोर चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की कृष्णा जयशंकर ने माउंटेन वेस्ट इंडोर ट्रैक एंड फील्ड चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की शॉट पुट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। 22 वर्षीय कृष्णा ने 16.03 मीटर के प्रयास के साथ न केवल पोडियम पर जगह बनाई, बल्कि भारतीय इनडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। नेवादा विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रही कृष्णा ने शनिवार को हुए फाइनल में अपने अंतिम प्रयास में 16.03 मीटर का थ्रो फेंका, जिससे उन्होंने 2023 में महाराष्ट्र के पूणार्राव राणे द्वारा स्थापित 15.54 मीटर के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस प्रतियोगिता में कोलोराडो विश्वविद्यालय की मैया लेंसर ने 19.02 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनके साथी गैबी मोर्न्स ने 17.09 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक पर कब्जा जमाया।

न्यू मैक्सिको राज्य के अल्बुकर्क में आयोजित इस प्रतिष्ठित इनडोर प्रतियोगिता में कृष्णा के शानदार प्रदर्शन ने भारतीय एथलेटिक्स में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 : चोटिल मैट शॉर्ट की जगह कूपर कोनोली ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल

एजेंसी

दुबई। ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल से पहले अपनी चैंपियंस ट्रॉफी टीम में बदलाव किया है। ऑलराउंडर मैट शॉर्ट के चोट के कारण बाहर होने के बाद युवा बाएं हाथ के बल्लेबाज और स्पिनर कूपर कोनोली को टीम में शामिल किया गया है।

शॉर्ट को अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले के दौरान चोट लगी थी, जिससे वे नॉकआउट मुकाबलों के लिए फिट नहीं हो सके। 21 वर्षीय कोनोली पहले से ही टीम के साथ यात्रा रिजर्व के रूप में मौजूद थे, जिससे वे तुरंत चयन के लिए उपलब्ध हो गए हैं।

सेमीफाइनल में भारत से मुकाबला, टीम संयोजन पर विचार

ऑस्ट्रेलिया मंगलवार को दुबई में खेले जाने वाले सेमीफाइनल में भारत का सामना करेगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के बाद भारत सेमीफाइनल में पहुंचा है। टीम प्रबंधन अब यह तय करेगा कि कोनोली को सीधे प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जाए या फिर विकल्पों पर विचार किया जाए। यदि चयनकर्ता शीर्ष क्रम में बदलाव करना चाहते हैं, तो जेक फ्रेजर-मैकगर्क को मौका दिया जा सकता है। वहीं, यदि टीम एक अतिरिक्त स्पिनर चाहती है, तो तनवीर संघा के चयन पर विचार किया जा सकता है।

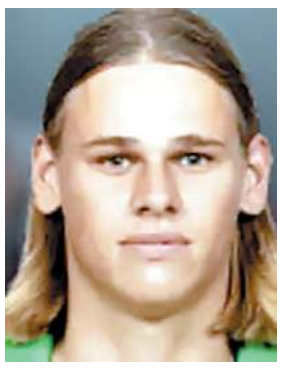

स्पिनरों की भूमिका अहम, जम्पा ने दी प्रतिक्रिया

दुबई की पिच को देखते हुए स्पिनरों की अहम भूमिका होगी। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में 37.3 ओवर की स्पिन गेंदबाजी कराई थी, जिसमें वरुण चक्रवर्ती ने 42 रन देकर 5 विकेट झटके थे।

ऑस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर एडम जम्पा क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा, 'टूर्नामेंट की प्रकृति को देखते हुए हमें अलग-अलग परिस्थितियों में खेलना पड़ा है। पाकिस्तान और दुबई की परिस्थितियों में थोड़ा अंतर है। पिच धीमी हो सकती है, जिससे विकेट लेने के और मौके बन सकते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी कर रहा हूं, लेकिन इसके बावजूद टीम के लिए योगदान देना और अहम विकेट लेना मेरे लिए महत्वपूर्ण है।'

भारत से वनडे में आखिरी भिड़ंत विश्व कप फाइनल में

वनडे क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया और भारत की आखिरी भिड़ंत 2023 वनडे विश्व कप फाइनल में हुई थी, जहां भारत ने जीत दर्ज की थी। यदि ऑस्ट्रेलिया इस बार सेमीफाइनल जीतता है, तो वे फाइनल के लिए लाहौर लौटेंगे, जबकि हार की स्थिति में फाइनल दुबई में खेला जाएगा।

सेमीफाइनल मुकाबले को लेकर दोनों टीमें अपनी रणनीति अंतिम रूप देने में जुटी हैं, जहां स्पिनर्स की भूमिका निर्णायक साबित हो सकती है।

जोशुआ चेप्टेगी ने 2025 विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए किया क्वालीफाई

नई दिल्ली। युगांडा के दिग्गज धावक जोशुआ चेप्टेगी ने जापान के टोक्यो में आयोजित मैराथन में शानदार प्रदर्शन करते हुए 2025 विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता चेप्टेगी ने रविवार को टोक्यो मैराथन में 2 घंटे 5 मिनट 59 सेकंड का समय निकालते हुए नौवां स्थान हासिल किया और विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए निर्धारित 2:06:30 के क्वालीफाइंग समय को पार कर लिया। इस रेस में इथियोपिया के टाडेस ताकेले ने पहला स्थान प्राप्त किया। चेप्टेगी ने क्वालीफाई करने पर खुशी जताते हुए कहा, 'मैं बहुत उत्साहित हूं कि मैं अपनी दूसरी मैराथन में शीर्ष 10 में जगह बना सका। ट्रैक से मैराथन में आने के बाद से मैं अभी भी सीखने की प्रक्रिया में हूं।' युगांडा के ही एक अन्य धावक, स्टीफन किस्सा, 25वें स्थान पर रहे लेकिन क्वालीफाइंग समय को पार करने में असफल रहे। गौरतलब है कि चेप्टेगी ने पिछले साल 42 किमी मैराथन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए 5,000 मीटर और 10,000 मीटर की दौड़ से हटने की घोषणा की थी।

फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ से हटाया प्रतिबंध अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेलने का रास्ता साफ

एजेंसी

नई दिल्ली । फुटबॉल की विश्व नियामक संस्था फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ (पीएफएफ) पर लगे निलंबन को हटा लिया है। यह फैसला पीएफएफ असाधारण कांग्रेस द्वारा सुझाए गए संवैधानिक परिवर्तनों को मंजूरी मिलने के बाद लिया गया।

पीएफएफ ने एक आधिकारिक बयान में कहा, '27 फरवरी को पीएफएफ असाधारण कांग्रेस के सफल नतीजे के बाद फीफा ने पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ पर से निलंबन हटा दिया है और उसके पूर्ण सदस्यता अधिकार बहाल कर दिए हैं।'

संस्था ने आगे कहा कि वह फीफा और एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के निरंतर समर्थन के लिए आभार व्यक्त करता है और पाकिस्तान फुटबॉल समुदाय को बधाई देता है।

तीसरी बार लगा था प्रतिबंध

फीफा ने 2017 और 2021 में तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के कारण पाकिस्तान पर दो बार प्रतिबंध लगाया था। 2019 में, संगठन ने पीएफएफ के संचालन और चुनावों की निगरानी के लिए एक सामान्यीकरण समिति गठित की थी।

हाल ही में, 7 फरवरी 2025 को फीफा ने निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने वाले संविधान को न अपनाने के कारण पाकिस्तान पर तीसरी बार प्रतिबंध लगाया था। लेकिन अब फीफा द्वारा अनुमोदित संविधान में बदलाव के बाद पीएफएफ को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में हिस्सा लेने की अनुमति मिल गई है।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान की स्थिति

पाकिस्तान फुटबॉल टीम का प्रदर्शन बीते वर्षों में निराशाजनक रहा है। टीम 1962 मडेर्का कप और 1997 सैफ चैंपियनशिप में उपविजेता रही थी।

हाल ही में, पाकिस्तान ने 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर में हिस्सा लिया, लेकिन सबसे निचले स्थान पर रहा। उसका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला ताजिकिस्तान के खिलाफ था, जिसमें उसे 0-3 से हार मिली थी।

फीफा की ताजा रैंकिंग में पाकिस्तान 198वें स्थान पर है। अब टीम अगले 2027 एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में खेलेगी, जहां उसे सीरिया, म्यांमार और अफगानिस्तान के साथ मुकाबला करना है। पाकिस्तान 25 मार्च को सीरिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगा।

शिमला पुलिस ने अंतरराज्यीय ड्रग तस्कर गिरोह के चार सदस्यों को किया गिरफ्तार

एजेंसी

शिमला : शिमला पुलिस का अंतरराज्यीय संदीप शाह चिट्टा तस्कर गिरोह के खिलाफ चला रहा ऑपरेशन लगातार तेज होता जा रहा है। इस गिरोह के सदस्यों को पकड़ने के लिए पुलिस पूरी तरह से सक्रिय है। शनिवार को जहां इस गैंग से जुड़े पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था, वहीं रविवार देर रात पुलिस ने आगे की कार्रवाई करते हुए चार और तस्करों को दबोचने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपी जिला शिमला से ताल्लुक रखते हैं और लंबे समय से इस इस गिरोह का हिस्सा रहे हैं। संदीप शाह गिरोह उत्तर भारत के कई राज्यों में कुख्यात रहा है और इसका जाल काफी व्यापक रूप से फैला हुआ

था। पुलिस अब तक इस गिरोह के 48 सदस्यों को गिरफ्तार कर चुकी है, जिनमें तीन महिलाएं भी शामिल हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इस गिरोह के गिरफ्तार आरोपियों में एक तहसील कल्याण अधिकारी और एक महिला वकील भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार यह गिरोह संगठित अपराध में लिप्त था और कई गैरकानूनी गतिविधियों को अंजाम देता आ रहा था। रविवार की रात को पुलिस ने गिरोह से जुड़े चार और आरोपियों को गिरफ्तार किया। ये आरोपी शिमला जिला के ठियोग, कोटखाई और चौपाल के रहने वाले हैं। इनकी पहचान हरीश वर्मा (36), निवासी ठियोग, मयंक नेगटा (24), निवासी चौपाल, साहिल चौहान (24), निवासी ठियोग और शुभम धीरटा (29), निवासी कोटखाई शामिल हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह सभी आरोपी लंबे समय से इस सिंडिकेट से जुड़े थे और इसके विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में शामिल थे। शिमला पुलिस ने आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए इनकी गतिविधियों पर नजर रखी और पर्याप्त सबूत मिलने के बाद इन्हें गिरफ्तार किया गया।

उत्तर भारत में फैला था नेटवर्क

जांच में यह भी सामने आया है कि शाह गिरोह केवल हिमाचल प्रदेश और शिमला तक सीमित नहीं था, बल्कि उत्तर भारत के अन्य राज्यों में भी इसका प्रभाव था। इस गैंग के खिलाफ पहले से ही कई राज्यों की पुलिस को शिकायतें मिली थीं लेकिन शिमला पुलिस ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए इस ऑपरेशन को अंजाम दिया और मुख्य आरोपियों को पकड़ने में सफलता प्राप्त की। गिरफ्तार किए गए कुछ आरोपियों की गतिविधियों को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीम गठित कर इनके बैंक खातों, फोन कॉल रिकॉर्ड और अन्य डिजिटल ट्रांजेक्शनों की जांच शुरू कर दी है। इसके अलावा इस गिरोह से जुड़े अन्य संभावित लोगों की भी पहचान की जा रही है ताकि पूरी तरह से इस सिंडिकेट का सफाया किया जा सके।

सरगना को गिरफ्तारी के बाद एयरलिफ्ट कर लाया गया शिमला

शिमला पुलिस ने यह ऑपरेशन अत्यधिक गोपनीयता के साथ अंजाम दिया। गिरफ्तार किए गए इस गिरोह के सरगना संदीप शाह को कोलकाता से एयरलिफ्ट कर शिमला लाया गया था। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि इस गिरोह से जुड़े और भी लोग सामने आ सकते हैं और आगे और गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं। शिमला के एस.पी. संजीव गांधी ने सोमवार को बताया कि शाह गिरोह के गुर्गों को पकड़ने के लिए पुलिस लगातार सक्रिय है।

हिमाचल में बिगड़ा मौसम, भारी बर्फबारी और बारिश की चेतावनी

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश में मौसम का मिजाज बिगड़ गया है। राज्य के अधिकांश हिस्सों में सोमवार को घने बादल छाए हुए हैं, जबकि कुछ स्थानों पर बारिश और बर्फबारी हो रही है। मौसम विभाग ने आगामी दो दिनों तक भारी बारिश और बर्फबारी की चेतावनी जारी की है। विभाग ने सोमवार के लिए ऑरेंज अलर्ट और मंगलवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं 5 से 8 मार्च तक पूरे राज्य में मौसम साफ रहने की संभावना जताई गई है। लेकिन 9 मार्च को फिर से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। इस दौरान ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी के आसार हैं। जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति के जोबरंग गांव के सामने बहने वाली चिनाब नदी का बहाव

हिमस्खलन के कारण रुक गया है। जोबरंग के फाड़ी नाले में भारी बर्फ गिरने से नदी का प्रवाह अवरुद्ध हो गया है, जिससे नदी का जलस्तर बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है। यदि पानी का दबाव बढ़ता रहा तो चिनाब नदी पर बना पुल भी क्षतिग्रस्त हो सकता है, जिससे जोबरंग पंचायत के तीन गांवों का संपर्क कट सकता है। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और सुरक्षा उपायों पर काम कर रहा है।चंबा जिले की दुर्गम पांगी घाटी में भारी बर्फबारी के कारण जनजीवन पटरी से उतर गया है। क्षेत्र में सड़कें बर्फ से ढकी हुई हैं और बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। इसी बीच प्रशासन ने एक गंभीर मरीज को एयरलिफ्ट कर मनाली पहुंचाया जिससे युवक की जान बचाई जा सकी। उपायुक्त ने बताया कि घाटी में जरूरी सुविधाएं बहाल करने के लिए प्रशासन की टीमें लगातार काम कर रही हैं। पिछले 24 घंटों में हिमाचल प्रदेश के न्यूनतम तापमान में औसतन 0.6 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। सबसे ठंडा लाहौल-स्पीति का केलंग रहा, जहां न्यूनतम तापमान -10.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा, किन्नौर के कल्पा में -2.1 डिग्री, सराहन में 0.9 डिग्री, मनाली में 1.6 डिग्री और शिमला में न्यूनतम तापमान 6.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार आज व कल भारी बर्फबारी और बारिश के कारण शीतलहर तेज रहेगी। लाहौल स्पीति, किन्नौर, चम्बा और कुल्लू में सोमवार सुबह से ही घने बादल छाए हुए हैं और तापमान में गिरावट आई है। शिमला में हल्की वर्षा हो रही है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि आज चम्बा, लाहौल स्पीति और कांगड़ा जिलों में ऑरेंज अलर्ट के चलते भारी बर्फबारी व वर्षा हो सकती है।

नेतन्याहू ने हमास के खिलाफ लड़ाई में अमेरिकी सहयोग के लिए ट्रंप की प्रशंसा की

एजेंसी

तेल अवीव : इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा पट्टी में आतंकी समूह हमास के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका के सहयोग के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि ट्रंप दिखावा नहीं करते, वह दोस्ती को निभाते भी हैं। उन्होंने हमास को चेतावनी देते हुए कहा कि इजराइल गाजा में खाद्य आपूर्ति नहीं होने देगा। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक्स पर अपलोड किए वीडियो संदेश में यह बात कही। उन्होंने इस संदेश में वाशिंगटन की अपनी हालिया यात्रा का भी जिक्र किया और कहा कि डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस में इजराइल के अब तक के सबसे अच्छे दोस्त हैं। इजराइल गाजा के संदर्भ में उनकी दूरदर्शी योजना का पूरी तरह समर्थन करता है। अमेरिका ने रुकी हुई सैन्य आपूर्ति भेजकर अपना अटूट समर्थन दोहराया है। यही नहीं, इजराइल को ईरान की आतंकी धुरी के खिलाफ काम करने के लिए हर संभव मदद दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि गाजा पट्टी में अस्थायी युद्धविराम को 50 दिनों तक बढ़ाने की योजना है। इस दौरान स्थायी युद्धविराम की शर्तों पर चर्चा की जा सकती है। इस योजना के तहत हमास को आधे बंधकों को तुरंत रिहा करना होगा। शेष को तब रिहा किया जाए जब हम स्थायी युद्धविराम पर किसी समझौते पर पहुंच जाएं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इजराइल को यह योजना मंजूर है पर हमास ने इसे खारिज कर दिया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल ने फिलहाल गाजा में खाद्य आपूर्ति रोकने का फैसला किया है। ऐसा इसलिए किया जा जा रहा है कि हमास इसे जरूरतमंदों तक नहीं जाने देता। वह छीन लेता है। अगर हमास ने बंधकों को नहीं छोड़ा तो उसे गंभीर नतीजे भुगतने होंगे।

यूरोपीय देश रूस से यूक्रेन की रक्षा करेंगे: कीर स्टार्मर

एजेंसी

लंदन : ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कल यहां अहम घोषणा की। उन्होंने रूस और यूक्रेन युद्ध पर कहा कि हम इतिहास में चौराहे पर हैं। यूरोपीय देश रूस से यूक्रेन की रक्षा करेंगे। जरूरत पड़ने पर रूस के खिलाफ गठबंधन तैयार किया जाएगा। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, स्टार्मर ने यह घोषणा लंदन में 18 यूरोपीय नेताओं की बैठक के बाद की। बैठक में यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने भी हिस्सा लिया। स्टार्मर ने कहा कि इस मसले पर कई अन्य देशों ने संकेत दिया है कि वह ब्रिटेन और फ्रांस के साथ हैं। कीव और मॉस्को के बीच संघर्ष विराम की स्थिति में यूक्रेन में सेना तैनात कर सकते हैं। उन्होंने यूक्रेन को 5,000 से अधिक वायु रक्षा मिसाइलें खरीदने के लिए ब्रिटिश निर्यात वित्तपोषण में 1.6 बिलियन पाउंड का उपयोग करने की अनुमति देने की योजना की भी घोषणा की। स्टार्मर ने कहा कि उन्होंने शनिवार रात अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात की है। उनका मानना है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ आने पर सकारात्मक परिणाम सामने आ सकता सकता है। सीएनएन के अनुसार, लंदन के लैंकेस्टर हाउस में आयोजित शिखर सम्मेलन में कीर स्टार्मर ने कीव और वाशिंगटन के बीच मौजूदा तनाव महाद्वीप के लिए चिंता का विषय है। इसलिए यह अधिक बातचीत का क्षण नहीं है। यह कार्रवाई करने का समय है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के ओवल ऑफिस में जेलेंस्की के साथ जो हुआ, उससे मास्को का खुश होना स्वाभाविक है।

मणिपुर में चार जिलों के लोगों ने पुलिस को सौंपे हथियार

एजेंसी

इंफाल : मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला की अपील पर चार जिलों में लोगों ने पुलिस प्रशासन को हथियार सौंपे। पुलिस ने आज बताया कि इंफाल ईस्ट जिला केएसडीपीओ पोरमपट कार्यालय में 9 एमएम पिस्टल, एंटी-रायट गन, .303 राइफल, स्टन शेल और टियर गैस शेल सहित अन्य हथियार जमा कराए गए।इसके अलावा बिष्णुपुर जिले के 10 बीएन बीएसएफ लोकतक प्रोजेक्ट में 12 बोर सिंगल बैरल गन, .303 राइफल, विभिन्न प्रकार के ग्रेनेड, देसी पिस्टल, वायरलेस सेट, हेलमेट, बुलेटप्रूफ जैकेट कवर, बुलेटप्रूफ प्लेट और 70 एमएम देसी मोर्टार जमा किए

गए।जिरीबाम जिले के लोगों ने भी पहल की है। यहां के लोगों ने जिरीबाम पुलिस स्टेशन में देसी एसबीबीएल गन, डबल बैरल गन, 12 बोर कारतूस, 7.62 एमएम और 5.56 एमएम राउंड, एके-47 और एसएलआर मैगजीन जमा

कराए।इंफाल वेस्ट जिले के वांगोई पुलिस स्टेशन और सेक्माई पुलिस स्टेशन में एसएलआर राइफल, डबल बैरल गन, हैंड ग्रेनेड, कार्बाइन, मैगजीन, बुलेटप्रूफ जैकेट, बूट्स, हेड गियर और अन्य सामग्री सौंपी गई।

हिमानी नरवाल हत्याकांड में दिल्ली से युवक गिरफ्तार, शुरूआती जांच में ब्लैकमेलिंग के संकेत

रोहतक : कांग्रेस नेत्री हिमानी नरवाल हत्याकांड में पुलिस ने रविवार देररात दिल्ली से एक युवक को गिरफ्तार किया है। सांपला पुलिस ने इसकी पुष्टि की है। बताया जा रहा है कि पुलिस जांच में युवक और हिमानी की फोन डिटेल सामने आई है। सांपला थाना प्रभारी बिजेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपित युवक बहादुरगढ़ के एक गांव का रहने वाला है। वह हिमानी के संपर्क था। पुलिस पूछताछ में जुटी है। शुरूआती जांच में यह बात सामने आई है कि हिमानी उसे ब्लैकमेल कर रही थी। इसलिए उसने उसकी हत्या कर दी। इसके अलावा युवक के फोन की लोकेशन भी हिमानी के घर के आसपास की मिली है। पुलिस ने रविवार को कांग्रेस नेत्री हिमानी नरवाल के शव का पोस्टमार्टम करवा दिया था। उसकी मां सविता ने शव लेने से इनकार कर दिया। मां कहना है कि जब तक सभी आरोपित गिरफ्तार नहीं होंगे, तब तक शव नहीं लेंगे और न ही अंतिम संस्कार करेंगे।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार में बिकवाली का दबाव

सेंसेक्स 73 हजार अंक के स्तर से भी नीचे फिसला

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज सप्ताह के पहले दिन शुरूआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी की चाल में कुछ देर के लिए और भी तेजी आ गई, लेकिन थोड़ी देर बाद ही चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोनों सूचकांकों ने सारी बढ़त गंवा कर लाल निशान में गोता लगा दिया। इस बिकवाली के कारण सेंसेक्स 73 हजार अंक के स्तर से भी नीचे गिर गया। पहले घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.47 प्रतिशत और निफ्टी 0.43 प्रतिशत की गिरावट के साथ

कारोबार कर रहे थे।

शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से अल्ट्राटेक सीमेंट, आयशर मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, ग्रासिम इंडस्ट्रीज और अपोलो हॉस्पिटल के शेयर 2.59 प्रतिशत से लेकर 0.88 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर जिओ फाइनेंशियल, कोल इंडिया, इंडसइंड बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और ओएनजीसी के शेयर 3.96 प्रतिशत से लेकर 2.98 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,449 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 729 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,720 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 12 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 18 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 27 शेयर हरे निशान में और 23 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 229.55 अंक की मजबूती के साथ 73,427.65 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही बाजार में लिवाली शुरू हो गई। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक पहले पांच मिनट में ही उछल कर 73,649.72 अंक के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि ये तेजी अधिक देर तक नहीं टिक सकी। थोड़ी देर बाद ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया। इस बिकवाली के कारण सेंसेक्स अपनी सारी बढ़त गंवा कर लाल निशान में गिर गया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 343.95 अंक की कमजोरी के साथ 72,854.15 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 70.55 अंक उछल कर 22,194.55 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 22,261.55 अंक तक पहुंच गया, लेकिन इसके बाद विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बाजार में बिकवाली का दबाव बना दिया। इस बिकवाली के कारण ये सूचकांक थोड़ी ही देर में लुढ़क कर लाल निशान में पहुंच गया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 94.80 अंक की गिरावट के साथ 22,029.90 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 1,414.33 अंक यानी 1.90 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 73,198.10 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 420.35 अंक यानी 1.86 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,124.70 अंक के स्तर पर शुक्रवार के कारोबार का अंत किया था।

न्यूज IN ब्रीफ

हरियाणा के पूर्व मंत्री सतपाल सांगवान का निधन

चंडीगढ़ : हरियाणा के पूर्व सहकारितामंत्री सतपाल सांगवान का आज तड़के गुरुग्राम के मेदांता मेडिसिटी में निधन हो गया। यहां उनका कैंसर का इलाज चल रहा था। शाम को दादरी जिले में उनके पैतृक गांव चंदेनी में अंतिम संस्कार किया जाएगा। दिवंगत नेता सतपाल के पुत्र सुनील सांगवान दादरी से विधायक हैं।हरियाणा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को पूर्वमंत्री सतपाल सांगवान से मिलने अस्पातल पहुंचे थे। कुछ दिन पहले ही सतपाल सांगवान की बेटी उषा कादयान का निधन हो चुका है।सतपाल सांगवान चरखी दादरी से छह बार चुनाव लड़ा, जिसमें से उन्हें दो बार जीत मिली। पहली बार वह 1996 में हरियाणा विकास पार्टी से विधायक बने थे। दूसरी बार 2009 में वह हजकां टिकट पर विधायक बने थे। बाद में हजकां का कांग्रेस में विलय होने पर भूपेंद्र सिंह हुड?डा सरकार में सहकारिता मंत्री बने। उन्होंने कांग्रेस व जजपा के टिकट पर भी दादरी से चुनाव लड़ा था।अप्रैल 2024 में सतपाल सांगवान भाजपा में शामिल हो गए थे। भाजपा में शामिल होने के बाद सतपाल सांगवान ने उम्र अधिक होने के कारण स्वयं चुनाव नहीं लड़ा, बल्कि अपने बेटे को अपनी विरासत सौंपते हुए राजनीति में उतारा। इसके चलते भौंडसी, गुरुग्राम के जेल अधीक्षक से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर सुनील सांगवान ने भाजपा जॉइन की और विधानसभा चुनाव 2024 में भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़कर जीत हासिल की।

पुलिस मुठभेड़: एक हत्यारोपी घायल ,दो अन्य गिरफ्तार

बाराबंकी : श्रीकांत दीक्षित हत्याकांड का तीन दिन में पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन शातिर अपराधियों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। इनमें से एक बदमाश के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। एडिशनल एसपी डॉ अवधेश कुमार सिंह ने बताया कि 27 फरवरी को थाना हैदरगढ़ में हैदरगढ़ निवासी श्रीकांत दीक्षित के परिजनों द्वारा दी गई तहरीर पर गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज किया गया था। लेकिन दो मार्च को श्रीकांत दीक्षित का शव जनपद रायबरेली के थाना बछरावां के ग्राम देवपुरी में शारदा सहायक नहर से पुलिस को मिला था। जिस पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर पुलिस अपराधियों की तलाश कर रही थी। इसी दौरान 2/3 मार्च की रात हैदरगढ़ थाना प्रभारी अजय प्रकाश तिवारी फोर्स के साथ गस्त कर रहे थे तो कनवा नहर से जासेपुर रोड पर एक वैगनआर कार आते हुए दिखाई दी। पुलिस टीम द्वारा जब संदिग्ध वैगनआर कार को रोकने की कोशिश की गई तो वैगनआर कार को ड्राइवर भगाने लगा। पुलिस ने जब पीछा किया तो कार पुलिया से टकरा गई तथा बदमाश गाड़ी से उतरकर भागने लगे। पुलिस टीम द्वारा जब दौड़कर पकड़ने का प्रयास किया गया तो बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस टीम ने जब फायरिंग थी तो एक बदमाश के पैर में गोली लग गई। जिससे वह घायल हो गया।तो पुलिस ने घेर कर सभी बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। घायल व्यक्ति ने अपना नाम राकेश कुमार पुत्र जवाहरलाल लोधी निवासी बाबा का पुरवा मजरे अंसारी थाना हैदरगढ़ बताया अन्य दो गिरफ्तार आरोपियों में पूर्णमासी व राहुल पुत्र जवाहर लोधी निवासी बाबा का पुरवा मजरे अंसारी शामिल है। तीनों सगे भाई हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के पास से एक तमंचा 12 बोर एक जिंदा कारतूस, एक खोखा एक वैगनआर गाड़ी यूपी 32 पी एम 3868, मिली। पुलिस द्वारा की गई कड़ाई की पूछताछ की में उन्होंने अपना जुर्म कबूल करते हुए श्रीकांत दीक्षित की हत्या का खुलासा करते हुए बताया कि उन्होंने करीब डेढ़ वर्ष पूर्व 1,50000 रुपए मृतक से उधार लिए थे। जब श्रीकांत दीक्षित द्वारा अपना पैसा बार बार आरोपियों मांगने लगे।तो आरोपियों ने मृतक को अपनी बिल्डिंग की दुकान में बुलाया गया पैसा देने के बहाने वह मृतक को अपने दुकान के अंदर ले गए और वहां पर मौका पाकर बांका,व हथोड़ा से वार करके उसकी हत्या कर दी तथा दुकान बंद करके चले गए। रात्रि हो जाने पर मृतक की मोटरसाइकिल बहुता गांव के पास एक कुएं में डाल दी, तथा मृतक का शव दुकान से निकाल कर बैंगनआर से ले जाकर जनपद रायबरेली के थाना बछरावां के देवपुरी में शारदा सहायक नहर में फेंक दिया।जब मृतक अपने घर वापस न लौटा तो परिजनों ने स्थानीय थाने पर गुमशुदगी दर्ज कराई तब पुलिस इस हत्याकांड के छानबीन में जुट गई और पुलिस की स्वाट,सर्विलांस टीम की मदद से हैदरगढ़ थाना प्रभारी ने आज इस हत्याकांड का खुलासा कर आरोपियों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। निशानदेही पर कत्ल में प्रयुक्त किया गया बांका,हथोड़ा व मृतक की मोटरसाइकिल भी बरामद की है। मुठभेड़ में घायल बदमाश को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बीजेपी प्रयागराज महानगर अध्यक्ष के नाम की इस सप्ताह हो सकती है घोषणा

प्रयागराज : भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज महानगर अध्यक्ष के लिए 69 दिग्गजों ने आवेदन किया है, जो इस इंतजार में है कि इस सप्ताह में किसी भी दिन महानगर अध्यक्ष के साथ अन्य जिला अध्यक्षों के नाम की घोषणा हो सकती है। हालांकि बीजेपी में अभी मंथन चल रहा है कि किसी भी तरह सामाजिक संतुलन न बिगड़ने पाए। भाजपा महानगर अध्यक्ष के साथ अन्य जिला अध्यक्षों के नाम की घोषणा इस सप्ताह हो सकती है। महानगर अध्यक्ष के लिए निवर्तमान अध्यक्ष राजेन्द्र मिश्र समेत कई अन्य दिग्गजों ने आवेदन किया है। इसके साथ ही प्रयागराज जनपद के गंगा पार व यमुना पार जिला अध्यक्ष के नाम की भी घोषणा हो सकती है। पार्टी के रणनीतिकार सामाजिक संतुलन के साथ ही सर्वमान्य अध्यक्ष के नामों पर चर्चा कर रहें है। पार्टी महिलाओं की भागीदारी को ध्यान में रखते हुए एक महिला जिलाध्यक्ष के नाम की घोषणा करेगी। माना जा रहा है कि यमुनापार से किसी महिला का नाम आ सकता है। हालांकि गंगा पार व यमुना पार एवं महानगर से महिलाओं ने आवेदन किया है।

मध्य प्रदेश में बढ़ने लगी गर्मी, दिन का तापमान 35 डिग्री के पार, 20 मार्च के बाद बारिश के आसार

भोपाल : मध्य प्रदेश में मार्च के पहले सप्ताह में मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। बताया जा रहा है कि एक तरफ हीट वेव का प्रकोप रहेगा तो दूसरी ओर बारिश से राहत भी मिलेगी। पश्चिम-उत्तर भारत में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने और हवाओं की दिशा बदलने की वजह से ऐसा हो रहा है। मार्च में पहली बार दिन-रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है। आज मंगलवार को गर्मी का असर कम रहने का अनुमान है। मध्य प्रदेश में मार्च महीने में तेज गर्मी, लू, बादल और हल्की बारिश वाला मौसम रहता है। इस बार मार्च के पहले ही दिन शनिवार को मुरैना में ओले गिरे, जबकि दूसरे दिन रविवार को पूरे प्रदेश में मौसम साफ रहा। मौसम विभाग के अनुसार पहले सप्ताह में बादल और बूंदाबांदी वाला मौसम रहेगा, लेकिन चौथे सप्ताह से हीट वेव यानी लू चलेगी। इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल, सागर और रीवा संभाग में 3 से 4 दिन लू चल सकती है। 20 मार्च के बाद कुछ जिलों में हल्की बारिश के आसार भी हैं। मार्च के शुरूआती 2 दिन में दिन-रात के तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिली है। दिन का पारा 35 डिग्री के पार पहुंच गया है जबकि रात में 20 डिग्री सेल्सियस से अधिक है।

आग लगने की घटना में चार घर जलकर राख

श्रीनगर : बडगाम जिले के वागूरा इलाके में आग लगने की घटना में चार घर जलकर राख हो गए। रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात वागूरा के गनई मोहल्ला इलाके में आग लग गई। आग पहले एक घर में लगी और फिर तीन अन्य घरों में फैल गई जिससे भारी नुकसान हुआ।अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग ने कई दमकल गाड़ियां मौके पर भेजीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। आग पर काबू पाने से पहले ही इस घटना में चार रिहायशी घरों को नुकसान पहुंच चुका था। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

मणिपुर में तलाशी अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियार बरामद

इंफाल : सुरक्षा बलों ने मणिपुर के पहाड़ी और घाटी जिलों में तलाशी अभियान चलाकर बड़ी मात्रा में अवैध हथियार और गोला-बारूद बरामद किए। पुलिस ने सोमवार को बताया कि इंफाल पश्चिम जिले के लामशांग थाना क्षेत्र के सैरमखुल इलाके से हथियारों का जखीरा मिला। बरामद हथियारों में 5.56 मिमी इंसास एलएमजी (एक मैगजीन व 20 राउंड गोलियां), एक एके-56 राइफल, तीन एसएलआर राइफल (अलग-अलग मैगजीन में 12, 10 और 8 राउंड गोलियां), एक 9 मिमी कार्बाइन 1ए1 (8 राउंड गोलियां), एक .303 राइफल (5 राउंड गोलियां), एक डबल बैरल गन, चार एचई-36 हैंड ग्रेनेड (बिना डेटोनेटर), एक चीनी हैंड ग्रेनेड, दो कैमोफ्लाज हेलमेट, तीन बुलेटप्रूफ जैकेट, चार बुलेटप्रूफ प्लेट, एक कैमोफ्लाज मैगजीन पाउच और एक खुकरी शामिल हैं। सुरक्षा बलों ने अभियान जारी रखते हुए संदिग्ध इलाकों में तलाशी तेज कर दी है।

न्यूज ब्रीफ

भव्य एक कुंडीय गायत्री महायज्ञ और जन्मदिवस संस्कार संपन्न

चाईबासा: दिनांक 2. 3. 2025 दिन रविवार को गायत्री शक्तिपीठ चाईबासा महिला मंडल और सरायकेला महिला मंडल के द्वारा जगन्नाथपुर प्रखंड में भव्य एक कुंडीय गायत्री महायज्ञ और जन्मदिवस संस्कार संपन्न कराया गया। शारदा गुप्ता चाईबासा, रेखा देवी चाईबासा, सरिता गुप्ता चाईबासा, राखी साहू सरायकेला और मल्लिका मंडल सरायकेला के द्वारा संपन्न कराया गया। यह कार्यक्रम दिव्या गुप्ता और रंजीत कुमार के निवास स्थान में दिव्या के अगुवाई में संपन्न हुआ जगन्नाथपुर महिला मंडल का विशेष सहयोग रहा।

फिट इंडिया अभियान के तहत प्रधान डाकघर गुमला की ओर से शहर में निकाली गई साइकिल मार्च

गुमला : गुमला जिला डाक अधीक्षक गुमला मंडल शांतनु आजाद प्रधान डाकपाल रुपेश चंद्र की अगुवाई में प्रधान डाकघर गुमला की ओर से पोस्टमैन तथा कर्मचारियों द्वारा फिट इंडिया अभियान के तहत साइकिल मार्च निकाला गया। यह अभियान प्रधान डाकघर गुमला से शुरू होकर पटेल चौक, टावर चौक तथा थाना चौक से होते हुए प्रधान डाकघर आकर समाप्त हुआ।इस अभियान को सफल बनाने में गुमला मंडल के कर्मचारी अंकुर मिंज, राहुल मुंडा, शंभू कुमार, अभिषेक कुमार, श्सचिन कुमार सिंह शाहनवाज आलम आदि का अहम योगदान रहा ।

तीन वारंटी चढ़े पुलिस के हत्थे

जमशेदपुर : अपराध नियंत्रण के लिए जिला पुलिस में फरार लोगों की गिरफ्तारी का अभियान शुरू है। इससे सोमवार को सीतारामडेरा, पटमदा एवं अन्य थाना ने चार वारंटी को पड़कर जेल भेजा है। इनमे सोनारी बाबू लोधी, सीतारामडेरा प्रकाश मुर्मू व महावर लोहार गिरफ्तार वारंटी था पटमदा विकास महली शामिल है। मालूम हो कि एसएसपी ने सभी थाना प्रभारी को आदेश दिया है कि अदालत से जारी वारंट के आधार पर आरोपियों को पड़कर जल्द जेल भेजे।

टाटा से 3 महीने बाद खुलेगी अमृतसर जलियांवाला बाग ट्रेन

जमशेदपुर : टाटानगर अमृतसर जलियांवाला बाग का परिचालन तीन मार्च से शुरू हो रहा है, जबकि टिकट की बुकिंग एक महीने से शुरू है। इससे ट्रेन के हर श्रेणी में वेटिंग हो गया। मालूम हो कि, कुहासा की आशंका पर दक्षिण पूर्व रेलवे जोन ने दिसंबर में ही ट्रेन का परिचालन 2 मार्च तक रद्द कर दिया था। इससे सिख समाज के लोगों ने ट्रेन को चलाने की मांग पर डीआरएम और रेल महाप्रबंधक को ज्ञापन दिया था।

पेड़ से लटकते मिला मजदूर का शव

जमशेदपुर : एमजीएम थाना क्षेत्र के तुरियाबेड़ा निवासी लालटू सिंह भूमिज उर्फ अमन 26 वर्ष ने पेड़ से लटक कर आत्महत्या कर ली। सोमवार सुबह लोगों ने लालटू सिंह भूमिज के शव को पेड़ से लटकते देखा। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पेड़ से उतार कर पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज भेज दिया। थाने में यूडी के तहत केस दर्ज कर पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। लालटू सिंह भूमिज की मौत को लोग हत्या भी बता रहे हैं। परिजनों ने बताया कि लालतू रविवार दोपहर 12 बजे घर से निकला था और अब शव मिला है।

बीडीएस में 49 व एमडीएस में नौ विद्यार्थियों ने डिग्री पाई, खुशी से खिले चेहरे

हजारीबाग : बीडीएस में 49 व एमडीएस में नौ विद्यार्थियों के बीच रविवार को डिग्री बांटी गयी। डिग्री पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। रविवार को हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल में दीक्षांत समारोह- 2025 का आयोजन किया गया। कॉलेज परिसर में आयोजित इस समारोह के मुख्य अतिथि हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल, विशिष्ट अतिथि विनोबा भावे विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक सुनील कुमार दुबे मौजूद थे। वहीं समारोह में डेंटल कॉलेज के सचिव डॉ प्रवीण श्रीनिवास, परी फाउंडेशन की निदेशक रोली गुप्ता, डेंटल कॉलेज के प्राचार्य के श्रीकृष्ण एवं उप प्राचार्य डॉ अंकुर भार्गव सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए। अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर दीक्षांत समारोह कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कुल 58 विद्यार्थियों को डिग्री मिली। डिग्री पाते ही छात्रों में खुशी का ठिकाना नहीं रहा। कोई खुशी से हवा में अपनी टोपी लहराते हुए उछल पड़ा तो कोई सामूहिक फोटो सेशन के लिए उतावला हो गया। विद्यार्थियों ने पारंपरिक समारोहों में भी भाग लिया। अतिथियों ने डिग्री प्राप्त स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को हौसला बढ़ाया एवं उनकी उज्जवल भविष्य की कामना की। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मन मोहक संस्कृतिक कार्यक्रम से दर्शकों का मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि सांसद मनीष जायसवाल ने भीड़ को संबोधित किया। विशिष्ट अतिथि विभावि के परीक्षा नियंत्रक सुनील कुमार दुबे ने छात्रों से नैतिक बने रहने और अपने काम के प्रति प्रतिबद्ध रहने और समाज की सेवा करने के लिए कहा। उन्होंने प्रत्येक छात्र को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दी।

छह हजारकर्मियों का भविष्य निधि लेखा संख्या जिला लेखा कार्यालय ने किया आवंटित

हजारीबाग : नई पेंशन योजना के तहत नियुक्त कोई भी सरकारी कर्मी पुरानी पेंशन योजना से वंचित ना रहे। जिला कोषागार कार्यालय ने त्वरित पहल करते हुए मात्र 2 महीने के अंदर हजारीबाग जिला में स्थित सभी राज्य स्तरीय कार्यालय एवं जिला स्तरीय कार्यालय के लगभग छह हजार कर्मियों, जिनकी नियुक्ति नई पेंशन योजना के तहत हुई थी, का भविष्य निधि लेखा संख्या आवंटित कर दिया है। इस संबंध में दी गयी जानकारी जिला कोषागार पदाधिकारी सह - पेंशन एवं लेखा पदाधिकारी उज्जवल कुमार चौरसिया द्वारा हजारीबाग जिला अंतर्गत मुख्यालय से प्राप्त 48 सेवानिवृत्त कर्मी, के अलावा वैसे कर्मी जो सेवानिवृत्ति के पश्चात अपने-अपने घर चले गए थे।

जमशेदपुर में संस्थापक दिवस पर टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने दी श्रद्धांजलि

मेट्रो रेज संवाददाता

जमशेदपुर : संस्थापक दिवस पर सोमवार को जेएन टाटा को टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन, टाटा स्टील के एमडी टीवी नरेन्द्रन समेत कंपनी के अधिकारीगण, मजदुर नेताओं के साथ सामजिक संगठनों के प्रमुखों ने श्रंद्धांजलि अर्पित किया। टाटा स्टील के वर्क्स जेनरल ऑफिस के पास आयोजित मुख्य कार्यक्रम के दौरान चेयरमैन ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि जमशेदपुर से ही समूह की यात्रा शुरू हुई है। जमशेदपुर पर कंपनी का पूरा फोकस है। हम यहां के समाज के हिस्सा हैं। जमशेदपुर का विकास जारी रहेगा। उन्होंने एक सवाल के

जवाब में कहा कि बदलाव के दौर में टाटा स्टील सिर्फ कारोबार ही नहीं तकनीकी क्षेत्र में भी प्रगति कर रहा है। चीन की डंपिंग नीति की चुनौतियों से निपटने के सवाल पर उन्होने कहा कि कंपनी कौस्ट मैनेजमेंट के साथ प्रोडक्टिविटी बढाने पर काम कर रहा है। उन्होने एआई के क्षेत्र में निवेश की बात कही। सेमी कंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में कदम रखने की बात कही।

पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने दी जमशेद जी को भावभीनी श्रद्धांजलि

पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने टाटा स्टील के संस्थापक जमशेद जी नौशेरवान जी टाटा की 186वीं जयंती के अवसर पर बिष्टुपुर स्थित पोस्टल पार्क में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जमशेद जी ने लौहनगरी को स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक सुविधाओं का शहर बनाने का सपना देखा था। उन्होंने यहां रहने वाले हर वर्ग के नागरिक को बेहतर और गुणात्मक नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने का सपना देखा था। उनकी दूरदर्शी सोच का परिणाम है कि जमशेदपुर आज देश के प्रसिद्ध एवं उन्नत शहर के रूप मे विश्वविख्यात है।

मृतक अजीत रौतिया के परिवार से पीएलवीयों गांव पहुंचकर स्थिति की जानकारी ली

गुमला : कई दैनिक अखबार में मामला प्रकाशित के बाद जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार गुमला श्री ध्रुव चंद्र मिश्र ने उक्त मामले पर स्वयं संज्ञान में लेते हुए सचिव डालसा को उक्त घटना की जानकारी कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया, इसी क्रम में सचिव के निर्देश पर पीएलवीयो ने घटनास्थल का दौरा किया और पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उनकी स्थिति की जानकारी लिया। चैनपुर थाना के बेंदोरा पंचायत अंतर्गत ग्राम टीनटांगर बसाईर टोली में मृतक अजित रौतिया का घर पीएलबी आरिफ अंसारी ,दीपक कुमार और विष्णु रौतिया पहुंचे तथा उनके परिजनों से मिलकर उनके घर की स्थिति जाना उन्होंने बताया कि मृतक अजीत रतिया खेती बाड़ी कर अपना परिवार का भरण पोषण करता था ।परिवार का राशन कार्ड बना हुआ है जिसमें राशन मिलता है। मृतक के माता-पिता की मृत्यु हो चुकी है, पत्नी जेल में है तथा उनके तीन बच्चे एक नौवीं क्लास एवं दूसरी छठी क्लास में पढ़ता है तथा तीसरा दूसरी कक्षा में पढ़ाई करते हैं । माननीय सचिव महोदय ने बताया कि मृतक व्यक्ति के परिजनों को कानूनी सहायता के लिए अधिवक्ता उपलब्ध करा दिया जाएगा। तथा मुआवजा के लिए भी कार्यवाही जल्द ही शुरू कर दी जाएगी । उन्होंने कहा कि बच्चों को जिला प्रशासन के सहयोग से स्पॉन्सरशिप योजना से जोड़ा जाएगा ताकि उनका पढ़ाई बाधित न हो। तथा पीड़ित परिवार को सभी तरह की सरकारी सहायता भी जिला प्रशासन की ओर से दी जाएगी जिनके वे हकदार हैं ।

तीन दिवसीय 6, 7 एवं 8 राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव का होगा आयोजन : उपायुक्त

बिनय मिश्रा

उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी विशाल सागर ने बाबा बैद्यनाथ महोत्सव के आयोजन को लेकर स्थानीय केकेएन स्टेडियम का निरीक्षण किया। इस दौरान उपायुक्त ने तीन दिवसीय बाबा बैद्यनाथ महोत्सव के आयोजन को लेकर की जाने वाली विभिन्न तैयारियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था, विधि व्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था को लेकर संबंधित अधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिया। साथ ही स्टेडियम में आमजनों के सुविधा के साथ बैठने की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय एवं विभिन्न स्टॉल के साथ फूड कोर्ट की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने का निदेश दिया।

इसके अलावे निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त विशाल सागर ने तीन दिवसीय राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव को लेकर संबंधित अधिकारियों को निदेशित किया कि अलग-अलग दिन के लिए

अलग-अलग थीम पर आधारित आयोजन किया जाय, ताकि महोत्सव में बड़ी संख्या में लोगों को जोड़ा जा सके। साथ हीं कार्यक्रम के तहत लेजर शो, थ्री डी शो, आर्ट गैलेरी, फूड गैलेरी के अलावा स्कूल व कॉलेज के बच्चों को जोड़ा जायेगा। आगे उन्होंने राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव के व्यापक प्रचार-प्रसार को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिया गया।

इसके अलावे उन्होंने राजकीय बैद्यनाथ महोत्सव कार्यक्रम के तहत स्थानीय कलाकारों के साथ-साथ स्कूल व कॉलेज के बच्चों एवं युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न खेलों से संबंधित प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया गया। साथ ही उपायुक्त विशाल सागर ने संबंधित अधिकारियों को निदेशित किया कि कार्यक्रम की भव्यता को ध्यान में रखते हुए बैद्यनाथ महोत्सव की सारी तैयारियों को ससमय पूर्ण कर लिया जाए।

उपायुक्त गुमला ने हरी झंडी दिखाकर वाटरशेड यात्रा का किया शुभारंभ

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमला : गुमला जिला मुख्यालय में रविवार को परिसदन गुमला से वार्ट शेड यात्रा का शुभारंभ जिले के उपायुक्त गुमला एवं उप विकास आयुक्त गुमला ने हरी झंडी दिखाकर किया । इस यात्रा का आयोजन प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना 2.0 के द्वारा प्रखण्ड जारी एवं विशुनपुर के 25 गवों में किया जा रहा है। जारी प्रखण्ड के सीसीकरम टोली एवं सिकरी पंचायत के 13 एवं विशुनपुर के तीन पंचयत विशुनपुर, सिकरी एवं बनारी के 14 गांवों मे प्रचार गाड़ी के माध्यम से लोगों को जल की उपयोगिता एवं संरक्षण जागरूक किया जाएगा। अंतिम 4 मार्च को विशुनपुर के चिंगरी गाँव मे आयोजित मुख्य आयोजन हेतु कृषि , मत्स्य , पशुपालन ,

हॉर्टिकल्चर एवं कृषि विज्ञान केंद्र सहित गैर सरकारी संगठन स्टाल लगाकर लोगों को सरकारी योजना की जानकारी प्रदान करेंगे। वार्ट शेड यात्रा के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जारी एवं विशुनपुर के सभी पंचायत मुखिया को आमंत्रित किया गया है ।

उपायुक्त गुमला ने बताया की इस कार्यक्रम से लोगों मे जल संचय से किसानों सहित सभी को लंबे समय तक लाभ मिलेगा । यात्रा शुभारंभ के दौरान भूमि संरक्षण पदाधिकारी आशीष प्रताप, जलछजन के जिला तकनीक विशेषज्ञ जुनूल समद, कृषि विशेषज्ञ श्री अटल बिहारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

महिला प्रीमियर लीग के चयन ट्रॉयल में 80 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया

जमशेदपुर : महिला प्रीमियर लीग-1 के तहत द्वितीय चरण के चयन ट्रायल का आयोजन सामुदायिक भवन सोनारी जमशेदपुर में किया गया। इसमें झारखंड, ओडिशा व बंगाल से लगभग 80 महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया। महिला प्रीमियर लीग के इस द्वितीय फेज चयन ट्रायल का आयोजन पूर्वी सिंहभूम कबड्डी संघ वीर बजरंग अखाड़ा कुम्हारपाड़ा सोनारी में आयोजित किया गया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में रमेश साहू, तिलक राम साहू, जसवंत साहू, शिव प्रसाद जंघेल अखिलेश प्रसाद, हरीश कुमार, उमेश दास जगदाल, लक्ष्मी कुमारी ,सुशील हैसल, युवराज साहू, ओमप्रकाश साहू, प्रेमलाल ने भूमिका निभाई। इस अवसर पर ओडिशा स्टेट से अरविंद पात्रो, बंगाल से तैमूर रहमान, विश्वनाथ घोष उपस्थित थे।

शिक्षा से ही किसी परिवार व समाज का समुचित विकास हो सकता है: रागिनी सिंह

मेट्रो रेज संवाददाता

जोड़ापोखर। अखिल भारतीय धारी विकास मंच का की ओर से रविवार को जियलगोरा अतिथिगृह में प्रतिभा सम्मान व मिलन समारोह आयोजित की गई। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि झरिया विधायक रागिनी सिंह, मंच के राष्ट्रीय संयोजक सुरेश कुमार धारी, राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार धारी उपस्थित थे। सर्वप्रथम अतिथियों को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। डा. भीमराव अम्बेडकर की तस्वीर पर अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर व माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरूआत की। मंच के संरक्षक भिखारी राम धारी ने मंच का झंडोतोलन किया। समारोह की अध्यक्षता प्रदेशध्यक्ष शत्रुधन धारी ने की। झरिया विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि शिक्षा से ही किसी परिवार व समाज का समुचित विकास हो सकता है। इसलिए समाज के लोग अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करें। ताकि वे शिक्षा के क्षेत्र में अपने माता पिता के साथ साथ अपने समाज व देश का नाम रौशन कर सके। वर्तमान समय में बच्चियों को विशेषकर पढ़ाने की जरूरत है। ताकि वे अपने पैरों पर खड़ी हो सके। समाज में प्रतिभावानों की कमी नहीं है जरूरत है सिर्फ उन्हें बेहतर मार्ग दर्शन देने की जरूरत है। शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाले 20 मेधावी छात्र-छात्राओं को शॉल ओढ़ाकर व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वही मंच की ओर से स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित की गई थी। शिविर में एशियन जालाना अस्पताल के चिकित्सकों ने 150 लोगों की स्वास्थ्य जांच किया। शिविर में पांच लोगों ने रक्तदान किया। ब्लड प्रेशर, शूगर, हेमोग्लोबिन की जांच की गई। समारोह में मंच के संरक्षक भिखारी राम धारी,राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार,सुरेश धारी, ललन कुमार, मनोज राम, सुजीत सावरिया,अजय कुमार, गणेश कुमार, रामबालक धारी, सुरेंद्र धारी, वीरेंद्र धारी,राजन धारी, पंजाबी धारी, बिरेन्द्र धारी,रामबालक धारी,मनोज राम, नागमणि धारी आदि थे।

गुमला में लिजेंड कप नाइट क्रिकेट मैच आठ मार्च से, पांच जिला की 24 टीमें भाग लेगी

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमला : गुमला जिला मुख्यालय में शहर के तेलंगा खड़िया स्टेडियम में रविवार को मॉर्निंग क्रिकेट क्लब गुमला की बैठक हुई. अध्यक्षता संरक्षक मुन्ना सिंह ने की. बैठक में लिजेंड कप सीजन-टू नाइट क्रिकेट मैच को लेकर विचार विमर्श किया गया. प्रतियोगिता को भव्य बनाने के लिए सभी खिलाड़ियों से परिचर्चा की गयी. बताया गया कि प्रतियोगिता को बड़े रूप में आयोजित किया जा रहा है. इसलिए इसकी विधि व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है. इसके लिए गुमला प्रशासन से भी सहयोग लेने का निर्णय लिया गया. क्योंकि, नाइट क्रिकेट मैच में हर दिन 10 हजार से अधिक दर्शकों के आने की संभावना है. बैठक में बताया गया मैच आठ मार्च से शुरू

होगी जो 12 मार्च तक चलेगा. इससे पहले सात मार्च को फैंसी मैच गुमला शहर के प्रबुद्ध लोगों की टीमों के बीच होगी. पांच दिनों तक चलने वाले इस क्रिकेट मैच में गुमला जिला के अलावा लोहरदगा, सिमडेगा, खूंटी व छत्तीसगढ़ राज्य के जशपुर जिला की 24 टीमें भाग लेगी. हालांकि, अबतक 32 टीमों ने पंजीयन कराया है. जिसमें कुछ टीमों की छटनी की जा रही है. ताकि मैच को सुचारू रूप से कराया जा सके. इस मैच में रांची के खिलाड़ियों को शामिल नहीं करने का निर्णय लिया गया है. संयोजक रोहित उरांव ने कहा कि सभी मैच दूधिया रोशनी में कैनवस बॉल से होगी. ग्राउंड में स्क्रीन लगाया जायेगा. जिससे दर्शक स्क्रीन पर मैच देख सकेंगे. इसके अलावा कई सोशल मीडिया चैनल में मैच लाइव दिखाया जायेगा. ताकि लोग घर बैठे भी मैच का आनंद ले सकेंगे. कार्यकारी अध्यक्ष भोला चौधरी ने कहा है कि यह मैच मॉर्निंग क्रिकेट क्लब गुमला द्वारा आयोजित है. ग्राउंड को आकर्षक ढंग से सजाया जायेगा. ज्ञान साहू ने कहा कि ग्राउंड में रात्रि कैंटीन भी लगेगा. जहां दर्शकों व खिलाड़ियों के लिए खाने की व्यवस्था रहेगी. अंकित उरांव व अखिलेश कुमार ने कहा है कि गुमला में क्रिकेट खेल को बढ़ावा देने, सड़क सुरक्षा व नशामुक्त गुमला अभियान के तहत यह मैच हो रहा है. प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए दूसरे जिले के खिलाड़ियों को आमंत्रित किया गया है. जिससे मैच का भव्य आयोजन किया जा सके. उन्होंने गुमला के खेल प्रेमियों से अपील किया है कि मैच का आनंद लेने के लिए ग्राउंड जरूर आये. हर दिन मैच शाम छह बजे से शुरू हो जायेगा जो रात्रि 11 बजे तक चलेगा. बैठक में क्लब के कई सदस्य मौजूद थे. बैठक में कुंदन राय, दीपक वर्मा, आशीष उरांव, राजीव सिंह, कमल पठान, मुकेश पांडेय, पुनीत सोनी, अंकित विश्वकर्मा, आनंद कुमार, रिषभ सिंह, मो मंजूर आलम, सत्यम चौरसिया, गुलशन कुजूर, विजय नायक, श्रीकांत शुक्ला, केतन कुमार, लव सिंह, विशाल पासवान, विनीत कुमार, सुभाष, ज्ञान भगत, आलोक, चंदन सिंह, पंकज कुमार साहू, अंकित कुमार, दीपक, मिलटन, कुणाल शुक्ला, कुंदन उरांव, गोलू सहित कई लोग थे.